हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 14 जून 2026

तापमान
अधिकतम 38.0 डिग्रीसे.
न्यूनतम 19.0 डिग्रीसे.

12 मानसून से पहले क्षेत्र में प्राथमिकता से करें नालियां ..

12 पीएम मोदी के मार्गदर्शन में देश उन्नति की ओर अग्रसर ..

अंबाला में सीआईए-2 टीम को बड़ी कामयाबी, कार और बाइक बरामद

गिट्टियां खेलने के बहाने ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 4 सदस्य पकड़े

- रेजिंटा होटल के पास चेन छीनने की शिकायत पर कार्रवाई हुई
- तीन आरोपी जेल भेजे गए, एक रिमांड पर, कई मामले पहले दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

पुलिस ने ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है जोकि गिट्टियां खेलने के बहाने लोगों से स्नेचिंग व ठगी का काम करता था। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को काबू किया है। सीआईए-2 की टीम ने इस गिरोह को काबू करने में मुस्तैदी दिखाई है। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई गाड़ी और मोटरसाइकिल बरामद की है।

वारदात का अनोखा तरीका

पूछताछ में सामने आया कि यह गिरोह बेहद शातिर तरीके से वारदातों को अंजाम देता था। आरोपी सड़क पर या सार्वजनिक जगहों पर 'गिट्टियां खेलने' का बहाना बनाते थे। वे लोगों को इस खेल में शामिल होने का लालच देते थे। जैसे ही पीड़ित का ध्यान खेल में पूरी तरह लग जाता, गिरोह के अन्य सदस्य वहां भीड़ इकट्ठा कर लेते थे। इसी भीड़भाड़ और ध्यान भटकने का फायदा उठाकर आरोपी बड़ी सफाई से पीड़ित के गले से सोने की चेन तोड़कर फरार हो जाते थे। बता दें कि 21 मई 2026 को शिवालिक कॉलोनी के मुकुल ने थाना बलदेव नगर में गिरोह के सदस्यों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, रेजिंटा होटल (सद्दोपुर) के पास आरोपियों ने उनका ध्यान भटका कर सोने की चेन छीन ली थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच सीआईए-2 को सौंपी थी। जांच के दौरान ही पुलिस ने पंजाब के जिला मोगा के गांव रोली के रविंदर कुमार उर्फ बब्बू, गुरप्रीत सिंह, गांव फतेहगढ़ के सिंदर उर्फ छिंदा, व मोगा के ही गांव तलवंडी के जगमीत को काबू किया हे। जांच अधिकारी के अनुसार यह एक आदतन अपराधी गिरोह है। इनके खिलाफ पंजाब के खरड़, धर्मकोट, रोपड़ और मोगा जिलों के विभिन्न थानों में इसी तरह की वारदातों को अंजाम देने के करीब कई मामले पहले से दर्ज हैं।

अंबाला। पकड़े गए गिरोह के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

साहा इंडस्ट्रियल क्षेत्र में स्थायी फायर ब्रिगेड तैनात करने के निर्देश

अंबाला। आगजनी का जायजा लेते मंत्री अनिल विज। फोटो : हरिभूमि

- इंडस्ट्रियल सेंटर में ग्लासवेयर फैक्ट्री में आगजनी की घटना का जायजा लेने के बाद श्रम मंत्री अनिल विज दिए निर्देश

अंबाला। परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इफ्रास्ट्रक्चर डिवेल्पमेंट (एचएसआईआईडीसी) के एमडी को साहा इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर में तुरंत प्रभाव से फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी खड़ी करने के दिशा-निर्देश दिए हैं। विज शनिवार को साहा इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर स्थित ग्लासवेयर फैक्टरी में कल लगी आग की घटना का जायजा लेने के लिए पहुंचे थे। यहां उन्हें इंडसट्रियल एरिया में कोई फायर ब्रिगेड गाड़ी की तैनाती नहीं होने की जानकारी मिली थी। विज ने एचएसआईआईडीसी के एमडी से कहा कि "यहां तुरंत प्रभाव से कहीं से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ी लाकर खड़ी की जाए ताकि आपात समय में तुरंत कार्रवाई की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि गाड़ी में पानी भरने के लिए पानी का बोर भी करवाया जाए। मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि साहा इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर में 300 के लगभग यूनिट हैं। काफी लेबर काम करती है। यहां कल एक फैक्टरी में आग लग गई थी। उन्होंने आज देखा व पाया कि फैक्टरी पूरी तरह से जल चुकी है। उनकी जानकारी में आया है कि यहां पर फायर ब्रिगेड नहीं है। उन्होंने इस मामले में एमडी से बात की है ताकि यहां पर फायर ब्रिगेड खड़ी की जाए। पानी के लिए बोर करवाया जाए।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तोपखाना बाजार मेन मार्केट स्थित पाल इलेक्ट्रिक दुकान से मोटर चोरी करने के मामले में आरोपी को काबू किया है। सुरबीर पाल ने 11 जून 2026 को शिकायत दी थी कि 4 जून 2026 को आरोपी ने तोपखाना बाजार मेन मार्केट स्थित उसकी पाल इलेक्ट्रिक दुकान से मोटर चोरी की है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। आरोपी के खिलाफ थाना अंबाला छावनी, महेशनगर व सेक्टर-9 अंबाला शहर में चोरी के 7 मामले दर्ज हैं। आरोपी 4 जून 2026 को जमानत पर रिहा हुआ था। रिहा होते ही आरोपी ने चोरी की एक और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मामले में संलिप्त आरोपी कर्ण को भी काबू कर उससे मोटर व वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद कर ली है।

शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

यमुनानगर शहर के पुराना हमीदा क्षेत्र से एक युवक शादी का झांसा देकर युवती को अगवा करके ले गया। पुलिस ने युवती की मां की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुराना हमीदा क्षेत्र निवासी महिला ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 12 जून को सुबह 11 बजे उसकी 22 वर्षीय लड़की किसी काम से घर से बाहर गई थी। मगर इसके बाद वापस नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कुछ भी पता नहीं चला। जांच के दौरान उन्हें मालूम हुआ कि उसकी लड़की को कॉलोनी का ही लोकेश शादी का झांसा देकर अगवा करके ले गया है।

विदेश भेजने के नाम पर युवक से हड़पे 13 लाख

यमुनानगर। पुराना हमीदा निवासी राजिंद्र कौर ने आरोप लगाया है कि राम सिंह और सुखविंदर सिंह ने उसके मुंह बोले भाई जसकरण को कनाडा भेजने के नाम पर 13 लाख रुपये ठग लिए। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने दावा किया था कि वे कई लोगों को विदेश भेज चुके हैं और जसकरण को भी रोजगार के लिए कनाडा भेज देंगे। अगस्त 2025 में उन्होंने रुपये और आवश्यक दस्तावेज ले लिए, लेकिन बाद में न तो जसकरण को कनाडा भेजा और न ही कोई संतोषजनक जवाब दिया। शिकायत पर जांच के बाद पुलिस ने दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

महिला बेटी के साथ संदिग्ध हालात में लापता

यमुनानगर। छछरौली थाना क्षेत्र के गांव चुहड़पुर कलां से एक महिला अपनी पांच वर्षीय बेटी के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। महिला की मां रीटा देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटी दिव्या अपनी बेटी आन्या के साथ घर पर रहती थी। 11 जून को दोपहर करीब ढाई बजे दिव्या अपनी बेटी के साथ किसी काम से घर से बाहर गई, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने काफी तलाश की, मगर दोनों का कोई सुराग नहीं मिला।

लकड़ी बेचने के नाम पर व्यक्ति से हड़पे 16 लाख

यमुनानगर। गांव अलाहर निवासी लकड़ी व्यापारी पवन कुमार से लकड़ी बेचने के नाम पर 16 लाख रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। पवन कुमार ने आरोप लगाया कि यासीन माजरी निवासी सतीश, फाजिलपुर निवासी मतलूब और सादिकपुर निवासी इकबाल ने मार्च 2026 में उसे लकड़ी दिखाकर सौदा तय किया और 28 मार्च से 13 अप्रैल के बीच 16 लाख रुपये ले लिए। आरोप है कि रकम लेने के बावजूद आरोपियों ने लकड़ी नहीं दी और पूछने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। शिकायत के बाद साढौरा पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भ्रूणलिंग जांच गिरोह मामले में 4 लोग दोषी करार

डॉक्टर कौशल और संदीप को तीन-तीन वर्ष कैद की सजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

कुरुक्षेत्र में भ्रूण लिंग जांच से जुड़े 2017 के एक मामले में अदालत ने चार आरोपियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है।

यह कार्रवाई हरियाणा स्वास्थ्य विभाग की कुरुक्षेत्र टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर उत्तर प्रदेश के बिजनौर में छापेमारी कर की थी, जिसमें लिंग जांच गिरोह का भंडाफोड़ हुआ था।पीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. रमेश सभरवाल के अनुसार, कार्रवाई के दौरान कुल आठ लोगों को पकड़ा गया था, जिन पर लिंग जांच कराने और करवाने का आरोप था। सुनवाई के बाद अदालत ने चार आरोपियों को दोषी ठहराया। इनमें डॉक्टर कौशल और संदीप को तीन-तीन वर्ष की कैद तथा महिला रेखा और उसके पति रिंकू को एक-एक वर्ष की सजा सुनाई गई है।जांच में सामने आया कि संदीप मरीजों को बिजनौर ले जाता था, जहां डॉक्टर कौशल अल्ट्रासाउंड कर भ्रूण का लिंग बताता था। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 25 गवाह पेश किए गए, जिनकी गवाही के आधार पर अदालत ने फैसला दिया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इसे कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराई पर सख्त कार्रवाई बताते हुए कहा कि आगे भी ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

मंदिर में चाकू लेकर घुसा युवक मूर्तियां तोड़ने का किया प्रयास

- सेक्टर-8 स्थित कृष्ण कृपा गीता धाम मंदिर में युवक ने चाकू लहराकर हंगामा किया

अंबाला। सेक्टर-8 स्थित कृष्ण कृपा गीता धाम मंदिर में एक युवक ने हाथ में चाकू दिखाकर हंगामा किया। आरोपी ने मंदिर में लगी भगवान की तस्वीरों को चाकू से फाड़ दिया। हॉल का गेट तोड़ने का भी प्रयास किया। जब पुजारी अभिषेक ने रोकने का प्रयास किया तो उसे जान से मारने की धमकी दी। 10 जून की रात को हुई यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। सेक्टर-9 थाना पुलिस ने आरोपी सेक्टर-10 के हरिंद्र धमीजा के खिलाफ केस दर्ज किया है। इंस्पेक्टर जितेंद्र का कहना है कि मंदिर में चाकू लेकर हंगामा करने वाले को पुलिस ने काबू कर लिया है। सेक्टर-8 स्थित कृष्ण कृपा गीता धाम मंदिर के पुजारी अभिषेक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रात करीब 9 बजे वह मंदिर में मौजूद थे कि इस दौरान एक व्यक्ति सीधा मंदिर के भीतर घुस आया। पूछने पर सेक्टर-10 के हरिंद्र धमीजा ने बताया था कि वह मंदिर में पूजा करने आया है। जैसे ही वह मूर्तियों के पास पहुंचा तो चाकू निकालकर लहराने लगा। रोकने का प्रयास किया तो आरोपी ने उन्हें ही चाकू दिखाकर डराना शुरू कर दिया।

बारिश होते ही किसानों ने रादौर में शुरू की अगेती धान की रोपाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रादौर क्षेत्र में बारिश के बाद किसानों ने अगेती किस्म की धान की रोपाई युद्धस्तर पर शुरू कर दी है। जिले के विभिन्न गांवों में किसान 1509, 1492 और मुच्छल जैसी बारीक किस्मों की धान को प्राथमिकता दे रहे हैं। हाल ही में हुई अच्छी बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी आ गई है, जिससे रोपाई कार्य को गति मिली है।किसानों का कहना है कि धान रोपाई के लिए उन्हें स्थानीय मजदूर नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में बिहार समेत अन्य राज्यों से आए प्रवासी मजदूरों की टीमों ने गांवों में डेरा डाल लिया है और रोपाई का कार्य संभाल लिया है। इससे किसानों को बड़ी राहत मिली है और समय पर रोपाई संभव हो पा रही है।किसान सुखबीर सिंह, राजू, धर्मबीर, संदीप, बिंदर सैनी, सुरेश और कर्ण ने बताया कि इस बार अगेती धान की खेती का रकबा बढ़ा है। उनका मानना है कि यदि मौसम अनुकूल रहा और समय-समय पर बारिश होती रही तो अगेती धान की फसल से अच्छी पैदावार मिलने की उम्मीद है। किसानों ने कहा कि बेहतर उत्पादन से उनकी आय में भी बढ़ोतरी होगी।

रादौर। धान की रोपाई करते हुए प्रवासी मजदूर। फोटो : हरिभूमि

लग्जरी होटल में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, सात लोग हिरासत में

- होटल संचालक और मैनेजर की संलिप्तता सामने आई, प्रति ग्राहक एक हजार रुपये वसूली करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

असंध क्षेत्र में जींद रोड स्थित होटल लग्जरी में कथित सेक्स रैकेट का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। गश्त के दौरान पुलिस को सूचना मिली थी कि होटल में देह व्यापार का अवैध धंधा चल रहा है। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस ने एक व्यक्ति को बोगस ग्राहक बनाकर होटल भेजा, जहां उससे एक हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवाकर उसे पहली मंजिल पर भेज दिया गया। संकेत मिलते ही पीएसआई संदीप के नेतृत्व में पुलिस टीम ने होटल पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान चार युवतियां और तीन युवक कमरों से हिरासत में लिए गए। रिसेप्शन पर मौजूद दो युवकों ने अपनी पहचान मंजीत कुमार और राहुल के रूप में बताई। प्रारंभिक जांच में होटल संचालक और मैनेजर की संलिप्तता सामने आई है।डीएसपी गोरखपाल राणा के अनुसार, गोहाना के रूखी निवासी रामबीर ने होटल किराये पर लिया हुआ था, जबकि हाट और बागडू निवासी मंजीत और राहुल मैनेजर के तौर पर कार्यरत थे। आरोप है कि ये लोग ग्राहकों को महिलाओं से मिलवाते थे और प्रति ग्राहक एक हजार रुपये वसूलते थे, जिसमें 500 रुपये महिलाओं को दिए जाते थे।

फर्जी दस्तावेज दिखाकर जमीन सौदे में एक करोड़ से अधिक की ठगी

- फर्जी इकरारनामा दिखाकर रुपये लिए गए और बाद में वही जमीन अन्य को बेच दी गई
- सौदे के बाद दिए गए चेक भी बाउंस हो गए और पैसे वापस नहीं किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल के असंध क्षेत्र के गांव जयसिंहपुरा में जमीन के सौदे के नाम पर एक बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। गांव निवासी महाबीर ने आरोप लगाया है कि अलावला निवासी शोभा सिंह ने फर्जी इकरारनामा दिखाकर उनसे एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि हड़प ली और बाद में वही जमीन किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी।शिकायत के अनुसार, 9 अक्टूबर 2025 को 48 कनाल 1 मरला जमीन का सौदा 93 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से तय हुआ था। इस सौदे में मध्यस्थ के रूप में रवि और कमलजीत शामिल थे। आरोप है कि सौदे के दौरान 40 लाख रुपये नकद, 8 लाख रुपये आरटीजीएस और 45 लाख रुपये का चेक दिया गया था, जबकि शेष राशि बाद में देने की बात तय हुई थी।पीड़ित का कहना है कि बाद में पता चला कि दिखाया गया इकरारनामा फर्जी था और जमीन मालिकों के साथ कोई वैध दस्तावेज नहीं बने थे। इसके बाद आरोपियों ने सौदा वापस करने की बात कही और 23 लाख रुपये की रसीद बनाकर कुछ राशि लौटाने का आश्वासन दिया, लेकिन पूरा भुगतान नहीं किया गया।बाद में यह भी सामने आया कि उक्त जमीन 28 अक्टूबर को ही किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, पैसे लौटाने के लिए दिया गया चेक भी बैंक में बाउंस हो गया। समझौते के बावजूद भुगतान न होने पर मामला पुलिस तक पहुंचा।थाना असंध पुलिस ने शिकायत के आधार पर अलावला निवासी शोभा सिंह के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। जांच सब इंस्पेक्टर प्रवीन कुमार को सौंपी गई है और पुलिस दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है।

नकली इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचने पर दो दुकानदारों पर केस

यमुनानगर। नकली अकाई एलईडी टीवी और ऑडियोटोन स्पीकर कोइल बेचने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जगाधरी बस स्टैंड स्थित नंदिनी इलेक्ट्रॉनिक्स और स्कूल रोड स्थित राजू इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानों पर छापेमारी की, जिसमें नकली कंपनी का सामान बरामद हुआ। आशापुरा बांदीकुई निवासी मुकेश कुमार ने शहर जगाधरी पुलिस को शिकायत दी थी कि दोनों दुकानों पर लंबे समय से नकली इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचा जा रहा है। सूचना के बाद 12 जून को की गई जांच में आरोप सही पाए गए।

पूछताछ के दौरान दुकानदार प्रवीण कुमार और संचित कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और कॉपीराइट एक्ट 63 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। पुलिस का कहना है आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने दी जानकारी

रेणुका डैम से प्रदेश को मिलेगा अतिरिक्त पानी

- आदिबद्री डैम और प्रस्तावित बैराज परियोजनाएं टेंडर प्रक्रिया के अंतिम चरण में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड हरियाणा के डिप्टी चेयरमैन धुमन सिंह किरमच ने कहा कि गिरि नदी पर निर्माणाधीन रेणुका डैम परियोजना का कार्य पीएम मोदी तथा सीएम नायब सिंह सैनी के नेतृत्व एवं हिमाचल प्रदेश सरकार के सहयोग से तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर हरियाणा को भी जल उपलब्धता में महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। जिससे प्रदेश के किसानों और आम नागरिकों को दीर्घकालिक फायदा होगा। उन्होंने उक्त जानकारी बोर्ड के अधिकारियों व रेणुका डैम परियोजना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद दी। बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तावित आदिबद्री डैम परियोजना से जुड़े विभिन्न तकनीकी एवं प्रशासनिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। धूमन सिंह किरमच ने बताया कि बैठक में एचपीपीसीएल के महाप्रबंधक अनूप कुमार शर्मा समेत अन्य अधिकारियों ने बताया कि आदिबद्री डैम परियोजना के साथ साथ प्रस्तावित बैराज निर्माण कार्य को भी शीघ्र प्रारंभ करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में दोनों परियोजनाएं टेंडर प्रक्रिया के अंतिम चरण में हैं। शीघ्र ही इनके निर्माण कार्य को गति मिलने की संभावना है। डिप्टी चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में सरस्वती नदी पुनर्जीवन एवं जल संरक्षण से जुड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। सरस्वती नदी परियोजना प्रदेश के किसानों के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। जिससे भविष्य में सिंचाई के लिए जल उपलब्धता बढ़ेगी तथा भूजल स्तर सुधारने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश के जल संसाधनों को मजबूत बनाने तथा किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार इस महत्वाकांक्षी परियोजना को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

यमुनानगर। रेणूका डैम परियोजना स्थल पर अधिकारियों के साथ जानकारी देते हुए सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन धूमन सिंह किरमच। फोटो : हरिभूमि

तीन युवकों की हत्या करने का आरोपी पकड़ा

- पुलिस ने दस दिन के रिमांड पर लिया, आठ आरोपी फरार, तलाश में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के गांव डिकाडला निवासी तीन दोस्तों जीतेंद्र, विनोद, अनिप निवासी गांव डिकाडला की स्कॉर्पियो से कुचलकर हत्या करने के आरोपी मनीष को सीआईए वन पुलिस ने समालखा क्षेत्र में पट्टीकल्याणा रोड से गिरफ्तार किया। डीएसपी सतीश वत्स ने बताया की पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सीआईए वन टीम को जांच सौंपी थी। पुलिस टीम ने अपने सभी सोर्स एक्टिव कर मनीष को पकड है। पुलिस ने शनिवार को मनीष को कोर्ट में पेश कर दस दिन के रिमांड पर लिया है। मनीष से रिमांड के दौरान तिहरे हत्याकांड में नामजद आठ फरार आरोपियों संदीप, रविंद्र, नवीन, तुषार, सचिन, नीरज, राजबीर निवासी गांव डिकाडला व सूरज निवासी गांव आट्टा के ठीकानों को पता लगा काबू करने का प्रयास करेगी।

स्मरणीय है कि तिहरे हत्याकांड में वीरेंद्र पुत्र फतेह सिंह निवासी गांव डिकाडला की शिकायत पर केस दर्ज है। इधर, पुलिस ने हत्या में प्रयोग की गई स्कार्पियों गाड़ी बरामद की है और उसे केस की जांच के लिए इंपाउंड कर लिया है। पुलिस का कहना है आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

जगाधरी में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने किया अभिनंदन

मोदी व सैनी सरकार की योजनाओं ने महिलाओं को बनाया सशक्तः डॉ. अर्चना

लाडो लक्ष्मी योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

यमुनानगर। जगाधरी में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित करतीं भाजपा की प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता व कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से मजबूत बनाया गया है। उन्होंने उक्त शब्द शनिवार को जगाधरी में भाजपा द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह के दौरान कहे। मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का स्वागत किया।

डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा का संगठन अन्य राजनीतिक दलों से अलग है। जब दूसरी पार्टियों के संगठन चुनावों के बाद निष्क्रिय हो जाते हैं तब भी भाजपा निरंतर सक्रिय रहकर जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में जुटी रहती है। भाजपा कार्यकर्ताओं के समर्पण, निष्ठा और परिश्रम के बल पर आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनीतिक पार्टी बनी है। जिसके 14 करोड़ से अधिक सदस्य हैं। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि मोदी और नायब सरकार की योजनाओं ने महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से मजबूत बनाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा लागू की गई लाडो लक्ष्मी योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिसके तहत पात्र महिलाओं को हर माह 2100 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, वृद्धावस्था पेंशन तथा महिला कल्याण से जुड़ी अन्य योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को बेमिसाल बताया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को मेरा बूथ सबसे मजबूत के मंत्र से आगामी चुनावों की तैयारी में जुट जाने के लिए आहवान किया।

पंजाब में भी बनेगी भाजपा की सरकार

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि पंजाब के लोग भी हरियाणा की तरह विकास, पारदर्शी प्रशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ चाहते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में पंजाब में भी भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से पंजाब में बढ़ती नशे की समस्या के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने और नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सोच राष्ट्रहित सर्वोपरि की है और सेवा ही संगठन का मूल मंत्र है। उन्होंने पूर्व मंत्री कंवरपाल के कार्यों की भी सराहना की। मौके पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार जनकल्याण और विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। इस अवसर पर सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा,जवाहर सैनी,चेयरमैन रमेश चंद ठसका,पूर्व चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी, जिला महामंत्री नरेंद्र राणा, पूर्व चेयरमैन राम निवास गर्ग, भाजपा हरियाणा उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष मदन चौहान व जिला मीडिया प्रमुख कपिल मनीष गर्ग आदि मौजूद रहे।

प्रकृति को बचाने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण जरूरी

■ भाजपा की प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने पुलिस लाइन जगाधरी में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा की भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्राकृति को बचाने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण बेहद जरूरी है। उन्होंने शनिवार को पुलिस लाइन जगाधरी में पौधारोपण करते हुए उक्त शब्द कहे। मौके पर पुलिस अधीक्षक राजेश सपरा व भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा मौजूद रहे।

डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम अभियान पूरे देश में चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि दूषित पर्यावरण के कारण होने वाली बीमारियों से बचने और प्रकृति को बचाने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते हैं। बल्कि वर्षा चक्र को संतुलित रखते हैं, भूमि कटाव रोकते हैं तथा जैव विविधता को संरक्षण प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि आमजन पर्यावरण जागरूकता के दूत बने तथा समाज में स्वच्छता, हरित ऊर्जा और प्रकृति संरक्षण का संदेश फैलाएं। यदि समाज, विद्यार्थी, किसान, महिलाएं, युवा और आम नागरिक मिलकर कार्य करें तो पृथ्वी को पुनः हरा भरा, स्वच्छ और सुरक्षित बनाया जा सकता है। यही आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी है। मौके पर पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल, हरियाणा विद्युत नियामक बोर्ड सदस्य मुकेश गर्ग आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

वातावरण को स्वच्छ रखने की ली शपथ

रादौर। गांव भोगपुर में स्वच्छता अभियान टीम व ग्राम पंचायत द्वारा पर्यावरण स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत भोगपुर की सरपंच रेमन कुमारी ने की। मौके पर ग्रामीणों ने वातावरण को साफ व स्वच्छ रखने की शपथ ली। सरपंच रेमन कुमारी ने कहा कि गांव में पर्यावरण स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य वातावरण को साफ व स्वच्छ रखने के लिए ग्रामीणों को जागरूक करना रहा। उन्होंने ग्रामीणों को अपने आसपास साफ सफाई रखने और वातावरण को स्वच्छ बनाने के लिए आहवान किया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने हाथ उठाकर वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए शपथ ली। स्वच्छता अभियान के जिला कार्यक्रम प्रबंधक बलिंदर कटारिया ने ग्रामीणों को सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंकने, कूड़ा उचित स्थान पर डालने, गंदगी नहीं फैलाने, खुले में शौच नहीं जाने और शौचालयों का नियमित उपयोग के बारे में जागरुक किया। मौके पर अभियान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुशील कुमार, खंड समन्वयक मुकेश, प्रवीण कांबोज, विजय कुमार, नीलम सिंह, अली शेर पंच, अंकित पंच, ओमलता पंच, रीना देवी, कमला देवी, नीलम देवी, बबली, बलिंदर कुमार, हिमांशु देवी व ओम देवी मौजूद रहे।

तेजली खेल परिसर में चलाया सफाई अभियान

यमुनानगर। ट्विन सिटी (यमुनानगर-जगाधरी) को स्वच्छ, सुंदर और हरा भरा बनाने के संकल्प के साथ नगर निगम द्वारा शनिवार को तेजली खेल परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान और पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। शनिवार सुबह नगर निगम की टीम मेयर सुमन बहमनी व निगमायुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशानुसार शहर के तेजली खेल परिसर में पहुंच गई। इस दौरान नगर निगम की टीम ने तेजली खेल परिसर तथा उसके आसपास के पूरे इलाके में व्यापक स्तर पर सफाई की। इस दौरान टीम ने साफ सफाई कर जगह जगह फैले हुए कूड़े कचरे को एकत्रित किया गया और गाडियों के माध्यम से उसका उचित व वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया गया। इसके साथ हीए पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए स्टेडियम परिसर में विभिन्न प्रजातियों के छायादार और फलदार पौधों का रोपण भी किया गया। मौके पर स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के विशेषज्ञ आकाश कुमार, सहयोगी गगन बेनीवाल व उनकी टीम और कर्मचारियों ने खिलाड़ियो और नागरिकों को स्वच्छता की बारीकियां समझाईं और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने और पर्यावरण की सुरक्षा में भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

नाबालिग से डेढ़ साल किया दुष्कर्म, केस दर्ज

यमुनानगर। बूड़िया थाना क्षेत्र के एक गांव में युवक ने नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर उसे शादी का झांसा देकर डेढ़ साल तक दुष्कर्म किया। बाद में आरोपी ने लड़की को शादी करने से मना कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की मां की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार बूड़िया थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 17 वर्षीय लड़की की गांव भंभोली निवासी सुमित के साथ जान पहचान थी। इस दौरान सुमित ने उसे अपनी बातों में उलझा लिया और उसे प्रेम का नाटक करने लगा। इस दौरान आरोपी ने उसकी लड़की को शादी करने के लिए बोला। उसकी लड़की आरोपी की बातों में आ गई। 26 जनवरी 2025 को वह परिवार के सदस्यों के साथ किसी काम से घर से बाहर गई थी। इस दौरान उसकी लड़की घर पर अकेली थी। महिला ने बताया कि इस दौरान आरोपी सुमित उसकी लड़की से मिलने के लिए आया। आरोपी ने उसकी लड़की को शादी करने का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि इसके बाद भी आरोपी करीब डेढ़ साल तक उसकी लड़की को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करता रहा। जब उसकी लड़की ने आरोपी को शादी करने के लिए बोला तो आरोपी ने शादी करने से मना कर दिया। इसके बाद उसकी लड़की गुमसुम रहने लगी। जब उसने अपनी लड़की को इस बारे पूछा तो उसकी लड़की ने घटना के बारे में उसे जानकारी दी। उसने आरोपी सुमित के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ छह पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी।

मकान देखने गए व्यक्ति को धमकाने का आरोप

यमुनानगर। फरकपुर थाना क्षेत्र की रामनगर कॉलोनी में मकान देखने गए व्यक्ति को धमकाने व जाति सूचक शब्द बोलने का आरोप है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद परिवार के चार लोगों के खिलाफ एससी एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार धर्मपाल ने फरकपुर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसका सलेंद्र व उसके परिवार के साथ मकान की खरीद व वसीयत को लेकर विवाद चल रहा है। इसी विवाद के चलते वह अपने मकान को देखने के लिए गया। इस दौरान आरोपी सलेंद्र ने अपने परिवार के सदस्यों अनीता, सतीश व सूरज के साथ मिलकर उसको मकान में जाने से रोका और उसे धमकाने लगे। इस दौरान आरोपियों ने उसे जाति सूचक शब्द भी बोले। इसके बाद वह घर वापस आ गया और मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस के मामले की जांच के बाद चारों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

अवैध खनन के खिलाफ उपायुक्त ने कसी कमर

हर वक्त रहें मुस्तैद, किसी तरह की कोताही नहीं की जाएगी बर्दाश्त

अफसरों को दिया निर्देश, संलिप्त लोगों पर दर्ज कराएं एफआईआर

▶▶| गैर कानूनी तरीके से खनन में उपयोग में लाए जा रहे वाहनों को तत्काल करें जब्त

▶▶| लघु सचिवालय में उपायुक्त प्रीति ने ली प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक, दिए सख्ती के आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिले में अवैध खनन की रोकथाम के लिए लघु सचिवालय में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त प्रीति ने की। उन्होंने अधिकारियों को जिला में अवैध खनन से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

उपायुक्त प्रीति ने कहा कि जिला में अवैध खनन रोकने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। अवैध खनन में संलिप्त व्यक्ति एवं वाहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को फर्जी ई.रवाना की पूरी जांच किए जाने और अवैध खनन में संलिप्त व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर वाहन को जब्त किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध खनन में पकड़े गए व्यक्ति व वाहन के सभी दस्तावेज अच्छी तरह चैक कर लें। ताकि सही दस्तावेज न होने पर उसके खिलाफ कार्रवाई करने में किसी प्रकार की परेशानी न हों। उन्होंने पुलिस व अन्य विभागों के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि अवैध खनन से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की कोताही न बरतें और अपने अपने क्षेत्र में पूर्ण रूप से अवैध खनन पर पाबंदी लगाएं। इसके साथ ही पकड़े गए वाहनों के चालान कर सख्त कार्रवाई करें।

उन्होंने जिला पंचायत एवं विकास अधिकारी को भी निर्देश दिए कि वे अवैध रूप से पंचायती भूमि पर खनन करने वालों के खिलाफ मुकदमें दर्ज करवा कर कार्रवाई करें। उपायुक्त प्रीति ने संबंधित अधिकारियों को अपने अपने क्षेत्रों में निरीक्षण अवश्य करते रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा व ईमानदारी से करें और अपने कार्य में किसी प्रकार की कोताही ना बरतें।

यमुनानगर। जिला सचिवालय में अवैध खनन को रोकने के लिए हुई अधिकारियों की बैठक में निर्देश देतीं उपायुक्त प्रीति।

अवैध खनन में संलिप्त 62 वाहन किए सीज

जिला खनन अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने उपायुक्त को बताया कि जिला में खनन गतिविधियों से सरकार को गत 21 मई से अब तक 9 करोड़ 68 लाख 76 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। वहीं, अवैध खनन गतिविधियों में संलिप्त 62 वाहनों को सीज किया गया तथा 17 एफआईआर दर्ज की गई। मौके पर जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, एसडीएम व्यासपुर डॉ. कुलदीप सिंह, एसडीएम छछरौली जसपाल सिंह गिल, एसडीएम रादौर नरेन्द्र कुमार, डीएसपी रजत गुलिया व डीडीपीओ नरेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

हर्षोल्लास से मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जगाधरी की अनाज मंडी में आयोजित किए जाने वाले जिलास्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर लघुसचिवालय में अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने की।

नवीन आहूजा ने अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय जिलास्तरीय योग कार्यक्रम को भव्य रूप से मनाए जाने के लिए तैयारियां समय रहते पूरी किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम में सभी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों समेत विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारिगणों समेत अधिक से अधिक प्रतिभागियों को भाग लेने के लिए आहवान किया। उन्होंने विभागों की तैयारियों को लेकर ड्यूटियां लगाई गई। अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जिलास्तरीय कार्यक्रम के अलावा खंडस्तर पर रादौर, व्यासपुर, साढौरा, प्रतापनगर, छछरौली व सरस्वती नगर में भी योग दिवस मनाया जाएगा।

यमुनानगर। जिला सचिवालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रस्तावित जिलास्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों के लिए अधिकारियों को निर्देश देते अतिरिक्त उपायुक्त।

ये कार्यक्रम होंगे

अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने बताया कि जिला में 15 जून को योग मैराथन दौड़ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसी प्रकार 16 जून से 18 जून तक तीन दिवसीय जिला स्तरीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस योग प्रशिक्षण शिविर में जिलास्तर पर मंत्रीगण, विधायकगण, प्रशासनिक विभागों के अधिकारी व कर्मचारीए एनसीसीए स्काउट कैडेट्स सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारीगण भाग लेगें। जिसमें आयुष विभाग के योग विशेषज्ञ योगों का अभ्यास व जानकारी देगें। उन्होंने बताया कि 19 जून को देवी लाल आयुर्वेदिक कॉलेज बुड़िया में योग संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

अतिक्रमण करने वाले आठ दुकानदारों को नगर पालिका ने जारी किया नोटिस

रादौर। रादौर कस्बा में दुकानों के आगे अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के खिलाफ नपा प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इस संबंध में नपा प्रशासन रादौर द्वारा कस्बा में अतिक्रमण करने वाले आठ दुकानदारों को नोटिस जारी किए हैं। नपा रादौर के सचिव सुरेंद्र मलिक ने बताया कि कस्बा में कुछ दुकानों के सामने दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण करके जाम की स्थिति उत्पन्न की गई है। जिससे लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाने के लिए नपा द्वारा विशेष अभियान चलाया गया है। इस अभियान के तहत अभी आठ दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए हैं। नपा सचिव सुरेंद्र मलिक ने बताया कि बार बार चेतावनी देने के बावजूद स्थानीय दुकानदार अतिक्रमण करने से बाज नहीं आ रहे हैं। जिसे लेकर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए हैं। यदि नोटिस मिलने के बावजूद दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों के सामने से अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दुकानदारों से कस्बा के सुंदर व साफ स्वच्छ बनाए रखने के लिए अपनी दुकानों के सामने से अतिक्रमण हटाए जाने का अनुरोध किया है।

नपा सचिव सुरेंद्र मलिक।

डीएवी डेंटल कॉलेज में चल रहे दंत चिकित्सा समीक्षा कार्यक्रम में विशेषज्ञों का दावा

रोबोट व लेजर तकनीक से दांतों की बीमारियों का इलाज संभव

कॉलेज की पेरियोडोंटोलॉजी विभाग की एचओडी डॉ. निफिया पंडित ने दूसरे दिन की कार्यक्रम की अध्यक्षता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

डीएवी डेंटल कॉलेज यमुनानगर में इंडियन सोसाइटी आफ पेरियोडोंटोलॉजी एंड इम्प्लांटोलॉजी द्वारा आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय समीक्षा कार्यक्रम के दूसरे दिन दंत विशेषज्ञों ने रोबोट व लेजर तकनीक से दंत उपचार करने की जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की पेरियोडोंटोलॉजी विभाग की एचओडी डॉ. निफिया पंडित, डॉ. शालिनी गुगलानी व डॉ. दीपिका की देखरेख में किया जा रहा है।

यमुनानगर। डीएवी डेंटल कॉलेज में चल रहे कार्यक्रम में दूसरे दिन विशेषज्ञों का स्वागत करते कॉलेज प्राचार्य डॉ. आईके पंडित। फोटो : हरिभूमि

पेरियोडोंटोलाजी विभाग की एचओडी डॉ. निफिया पंडित ने कहा कि अब दांतों की बीमारियों का इलाज रोबोट व लेजर तकनीक से भी किया जा सकता है। लेजर तकनीक से इलाज के अगले दिन ही मरीज ठीक होना आरंभ हो जाता है। पहले भारतीयों द्वारा जो शोध किया जाता था उसका प्रकाशन नहीं करवाया जाता था जिस कारण वह तकनीक कुछ स्थानों पर सीमित रह जाता था। डॉ. पंडित ने कहा कि भारतीय विशेषज्ञों द्वारा जो शोध किये जा रहे हैं वह अब भारतीय नागरिकों पर किए जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत के शोध बहुत कारगर साबित हो रहे हैं।

विद्यार्थियों को दी व्यावहारिक जानकारी

एस्थेटिक सर्जरी डॉ. विशाखा ग्रोवर ने एविडेंस बेस्ड डेंटिस्ट्री, डॉ. डीएस कलसी ने पेरियोडोंटोलॉजी के डिस्ट्रैक्शन से परे पेरियोडोंटिक्स, डॉ. शिखा तिवारी ने पेरियोडोंटिक्स में रिस्क फैक्टर्स विषयो पर विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। इसके अलावा डॉ. राजन गुप्ता ने पेरियोडोंटल बीमारी के मैनेजमेंट के लिए इंटरडिसिप्लिनरी अप्रोच व डॉ. गुरप्रकाश सिंह चहल ने सिस्टमिक हेल्थ पर पेरियोडोंटल इन्फेक्शन का असर विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कालेज प्राचार्य डॉ. आईके पंडित ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान न केवल विशेषज्ञ विद्यार्थियों को अपने अनुभवों से अवगत करवा रहे हैं। विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दे रहे हैं। ताकि विद्यार्थी पूरी तरह जागरूक हो सके। उन्होंने बताया कि तीन वर्षों में जो पढ़ाई विद्यार्थियों ने की होती है उन्हीं के मुख्य बिंदुओं को विशेषज्ञों द्वारा समझाया जाता है। ताकि आगामी फाइनल परीक्षा में होने किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि समीक्षा कार्यक्रम की सफलता के कारण ही लगातार सातवीं बार यह आयोजन यमुनानगर में हो रहा है। वहीं, कार्यक्रम के दौरान पोस्टग्रेजुएट छात्रों के लिए जेनेटिक्स और पेरियोडोंटल बीमारी एवं आगामी परीक्षा के दौरान पेरियोडोंटल सर्जरी को लेकर विशेषज्ञो द्वारा व्यावहारिक बातों का ज्ञान विद्यार्थियों को दिया गया।

खबर संक्षेप

प्रगति पथ यात्रा में भाजपा कार्यकर्ता हुए शामिल

पिहोवा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 12 साल — विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के अभियान के अंतर्गत नेशनल हाईवे-152 डी ग्रीन फील्ड हाईवे पर आयोजित प्रगति पथ यात्रा में भाजपा कार्यकतार्ओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र जिला प्रभारी दीपक शर्मा, जिलाध्यक्ष तेजिंदर गोल्डी खैरा, भाजपा महिला मोर्चा पिहोवा मंडल अध्यक्ष गीता शर्मा, सारसा मंडल अध्यक्ष बाबू राम रुआ, बाखली मंडल अध्यक्ष सुखबीर इस्हाक सहित अनेक भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

योग दिवस के उपलक्ष्य में योग मैराथन कल

थानेसर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य, फिटनेस और योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में 15 जून 2026 को प्रातः 6 बजे ब्रह्मसरोवर के आंतरिक परिक्रमा मार्ग पर योग मैराथन (वॉकाथन) का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सहभागिता अनिवार्य होगी।

जिला कांग्रेस कार्यालय में हुई मासिक बैठक

कुरुक्षेत्र। जिला कांग्रेस कार्यालय में शनिवार को मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने की। जिलाध्यक्ष ने पिछली माह की बैठक की समीक्षा की ओर सभी पदाधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। मेवा सिंह ने कहा समय समय पर प्रदेश कांग्रेस की बैठाओ का आयोजन किया जाता है और जो दिशा निर्देश दिए जा रहे है उनकी धरातल पर पालना की जा रही है और लागू किया जा रहा है।

ज्योतिसर में जिला स्तरीय योग दिवस 21 जून को

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि गीता स्थली ज्योतिसर अनुभव केंद्र परिसर में 21 जून को जिला स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस योग दिवस पर हजारों लोगों के एक साथ योग करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए सभी विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी लगाने के साथ-साथ आम नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

एक दिन पहले आने वाले परीक्षार्थियों के लिए धर्मशालाओं में की ठहरने की व्यवस्था

नीट के 1980 परीक्षार्थियों के लिए जिले में पांच केंद्रों पर होगी परीक्षा

- एसडीएम अमन कुमार को बनाया नोडल अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। अधिकारियों को संबोधित करते उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि 21 जून को होने वाली नीट परीक्षा के लिए कुरुक्षेत्र में 1980 परीक्षाओं के लिए 5 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केंद्रों पर सभी प्रकार की तैयारियों को समय से पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं। परीक्षा के लिए एक दिन पहले शहर में आने वाले परीक्षार्थियों को धर्मशालाओं में ठहराने के लिए प्रबंध किए गए हैं। इस कार्य के लिए एसडीएम अमन कुमार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा शनिवार को लघु सचिवालय के सभागार में 21 जून को होने वाली नीट परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। इससे पहले वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी उपायुक्तों को उचित निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की दिक्कत परेशानी या समस्या होने पर परीक्षा की गाइड लाइन को अपनाएं, सेंटर सुपरवाइजर नियमों से बाहर जाकर अपने स्तर पर कोई भी फैसला ना ले। इस परीक्षा को लेकर केन्द्र सरकार के साथ साथ प्रदेश सरकार भी पूरी तरह से गंभीर है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध करे। इस नीट परीक्षा को लेकर सभी प्रकार की तैयारियां समय रहते पूरी की जाए। परीक्षा सेंटरों में जैमर, कैमरे व सुरक्षा की दृष्टि से अन्य व्यवस्थाओं को पूरा करने के साथ साथ ट्रायल भी करे।

ये बनाए परीक्षा केंद्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि परीक्षार्थियों की फ्रिस्किंग के लिए एजेंसी द्वारा एक टीम नियुक्त की गई है। इस टीम के अलावा हरियाणा पुलिस भी परीक्षार्थियों की फ्रिस्किंग करेगी। परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र में किसी भी प्रकार की कमी नहीं मिलनी चाहिए। मौजूदा मौसम को देखते हुए बिजली,पानी, शौचालय, बैठने की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं की उचित व्यवस्था करवाई जाए। उन्होंने कहा कि जिले के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल शांति नगर,कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, एनआईटी, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय मथाना, यूआईईटी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र में परीक्षा केन्द्र बनाए गए है।

बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन से 10 बजे से चलेंगी स्पेशल बसें

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा कहा कि हरियाणा रोडवेज के जीएम 21 जून के दिन रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड के लिए सुबह 10 बजे ही स्पेशल बस शुरू करें ताकि परीक्षार्थियों को सेंटर तक पहुंचने में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पडे। इसी तरह परीक्षा समाप्त होने पर परीक्षार्थियों को सेंटर से रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर वापिस पहुंचाने का प्रबंध किया जाए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निट परीक्षा को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केन्द्रों के आस पास ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए ताकि आमजन व परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो। इस बैठक में डीईईओ इंदू कौशिक, जीएम रोडवेज सहित सेंटर अध्यक्ष, सुपरीटेंडेंट व अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र पुलिस की मॉकड्रिल, पिहोवा कोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

कुरुक्षेत्र। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा किसी भी संभावित अप्रिय घटना से निपटने की तैयारियों के तहत पेहवा में पुलिस द्वारा मॉकड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान बम डिस्पोजल स्क्वाड अम्बाला इंचार्ज हितेंद्र तथा थाना शहर पिहोवा के प्रभारी सुनील वत्स के नेतृत्व में पुलिस कर्मचारियों ने कोर्ट परिसर और आसपास के क्षेत्र में विशेष सुरक्षा अभियान चलाया। थाना शहर पिहोवा के प्रभारी सुनील वत्स ने बताया कि मॉकड्रिल के दौरान कोर्ट परिसर का घेरा डालकर सघन जांच की गई। पुलिस टीमों ने संदिग्ध वस्तुओं और गतिविधियों की जांच करते हुए सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण किया। बम डिस्पोजल स्क्वाड की टीम ने आधुनिक उपकरणों की सहायता से परिसर की जांच कर सुरक्षा मानकों को परखा। थाना प्रभारी ने बताया कि इस प्रकार की मॉकड्रिल का उद्देश्य पुलिस कर्मचारियों को आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रखना तथा आमजन में सुरक्षा का विश्वास बनाए रखना है।

तीन दिन बाद मिला नहर में डूबे मजदूर का शव

कुरुक्षेत्र। शनिवार को एसवाईएल नहर में मजदूर का शव मिला। गोताखोर प्रगट सिंह ने शव को नहर से बाहर निकाल कर पुलिस के हवाले कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने कुरुक्षेत्र के एलएनजेपी अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। मिली जानकारी के अनुसार 10 जून को लक्ष्मण नाम का मजदूर नहर में हाथ पैर-धोने के लिए आया था। अचानक से उसका पैर फिसल गया जिसके बाद वो पानी में बह गया। इसके बाद पुलिस और गोताखोरों को सूचित किया गया। तीन दिन से गोताखोर प्रगट सिंह ने अपनी टीम के साथ उसको ढूंढने के लिए सर्च अभियान चलाया हुआ था. आज गोताखोर प्रगट सिंह को शव को ढूंढ़ने में सफलता मिली। लक्ष्मण मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला था और यहां पर मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण कर रहा था. लक्ष्मण के छह बच्चे हैं. जिनके सिर से अब पिता का साया उठ चुका है।

कुरुक्षेत्र। मौके पर मौजूद गोताखोर प्रगट सिंह व मृतक के परिजन।

कुरुक्षेत्र यौन उत्पीड़न प्रकरण

दोषी डॉक्टर को दोबारा नियुक्त करने वालों पर कार्रवाई की मांग, स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

'नागरिक अस्पताल में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित यौन उत्पीड़न के मामले ने प्रदेशभर में आक्रोश पैदा कर दिया है। इसी मुद्दे को लेकर अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति और सीटू के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के चंडीगढ़ स्थित आवास पर ज्ञापन सौंपकर दोषी डॉक्टर को दोबारा नियुक्ति देने वाले अधिकारियों और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई। प्रतिनिधिमंडल में जनवादी महिला समिति की राज्य अध्यक्ष सविता, सीटू के राज्य महासचिव जयभगवान, राज्य उपाध्यक्ष सतवीर सिंह, रमा, रामकलां और वंदना सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। नेताओं ने कहा कि जिस डॉक्टर पर पहले भी गंभीर यौन अपराधों के आरोप लग चुके थे और जो जेल जा चुका था, उसे सेवानिवृत्ति के बाद पुनः नियुक्त करना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही का मामला है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

युवाओं की ऊर्जा व नवीन सोच को खाप व्यवस्था से जोड़कर समाज को दी जा सकती है नई दिशा

- उत्तर भारत सर्वखाप महापंचायत एवं चिंतन शिविर का दूसरा दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

धर्मनगरी कुरुक्षेत्र स्थित अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला में आयोजित उत्तर भारत सर्वखाप महापंचायत एवं चिंतन शिविर के द्वितीय दिवस के मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि खापों द्वारा उठाए जा रहे सभी सामाजिक मुद्दे अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि समाज से जुड़े विषयों पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए तथा उनके व्यावहारिक एवं स्थायी समाधान खोजे जाने चाहिए। उन्होंने सामाजिक जागरूकता, नैतिक मूल्यों, युवा मार्गदर्शन और समाज सुधार के लिए ऐसे चिंतन शिविरों को समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला के प्रधान डॉ. कृष्ण श्योकंद एवं चौ. संजय देशवाल ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। शिविर में सोलंकी खाप, पालम 360 खाप, दलाल खाप, चहल खाप, हुड्डा खाप, ढुल खाप, देशवाल खाप एवं लाठर खाप सहित अनेक खापों के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही। प्रथम सत्र युवा प्रतिनिधियों को समर्पित रहा, जिसमें विक्रम कालीरमन, राजबीर सिंह गिल, अमित बांगर, जतिन पानू, अक्षय नरवाल, सुमित लाठर, जसविंदर जांगड़ा एवं मोहित देशवाल ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने खाप पंचायतों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने, उन्हें सामाजिक नेतृत्व के अवसर प्रदान करने तथा सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर उनकी सकारात्मक भूमिका सुनिश्चित करने पर बल दिया। वक्ताओं का मत था कि युवाओं की ऊर्जा और नवीन सोच को खाप व्यवस्था से जोड़कर समाज को नई दिशा दी जा सकती है।

डॉ. रामराज कौशिक ने भाजपा प्रदेश अध्यक्षा से की मुलाकात

कुरुक्षेत्र। गायत्री ज्योतिष अनुसंधान संस्थान कुरुक्षेत्र के संचालक एवं थानेसर भाजपा के शक्ति केंद्र प्रमुख डा. रामराज कौशिक ने हरियाणा भाजपा की नव नियुक्त अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता से मुलाकात की। उन्हें रुद्राक्ष माला और अपनी लिखी पुस्तक सुगम ज्योतिष चंद्रिका भेंट की और नई मिली जिम्मेदारी के लिए ढेर सारी शुभकामनायें और बधाई दी। कहा कि आपके नेतृत्व मे संगठन और अधिक सशक्त होगा प्रदेश मे विकास, जनसेवा और संगठन को नई शक्ति मिलेगी और प्रधानमंत्री के महिला सशक्तिकरण को नई दशा और दिशा देने का काम आप करेंगी। इस दौरान हरियाणा राज्य में युवाओं को नशे की लत से दूर रखने, प्रदेश में आध्यात्मिक प्रचार प्रसार और केंद्र व राज्य सरकार की प्रमुख उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के अभियान पर बातचीत हुई। डा. रामराज कौशिक ने डा. अर्चना गुप्ता को आध्यात्मिक सामग्री भी भेंट की।

चार माह बाद भी लागू नहीं हुआ डायरेक्टर के साथ हुआ समझौता, हेमसा ने जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| थानेसर

शिक्षा विभाग के फील्ड मिनिस्ट्रीयल स्टाफ पर लगातार कार्यभार बढ़ता जा रहा है, जबकि वेतनमान, पदोन्नति एवं अन्य सेवा संबंधी मामलों में लिपिक वर्गीय कर्मचारी लगातार उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन (हेमसा), जो सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबद्ध है, ने अपनी लंबित मांगों को लेकर 11 फरवरी 2026 को शिक्षा सदन, पंचकूला पर जोरदार प्रदर्शन किया था। आंदोलन के दबाव में डायरेक्टर सेकेंडरी एजुकेशन के साथ हुई वार्ता में कई महत्वपूर्ण मांगों पर सहमति बनी थी। इनमें तत्काल स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू करना, सेवा नियमों में छूट देकर सभी रिक्त पदों पर पदोन्नति करना, जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) को एसीपी एवं सीसीएल स्वीकृत करने की शक्ति प्रदान करना तथा नूंह और मोरनी जैसे कठिन क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों को 10,000 विशेष भत्ता देना शामिल था। इन मांगों को एक माह के भीतर लागू करने का आश्वासन भी दिया गया था। लेकिन समझौते के चार माह बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। समस्याओं का समाधान होने के बजाय कर्मचारियों की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं। विभाग द्वारा समय पर निर्णय न लेने का खामियाजा निर्दोष कर्मियों को भुगतना पड़ रहा है। इसी को लेकर कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है।

संयुक्त निदेशक हरप्रीत कौर ने बारना स्थित सुपर 100 सेंटर का किया दौरा

कुरुक्षेत्र। माध्यमिक शिक्षा विभाग की संयुक्त निदेशक हरप्रीत कौर ने गत दिवस बारना स्थित सुपर 100 सेंटर का दौरा कर केंद्र की कार्यप्रणाली एवं विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि हरियाणा सरकार का सुपर 100 कार्यक्रम आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी विद्यार्थियों को आईआईटी, जेईई, नीट तथा अन्य प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण कोचिंग, आवास, भोजन एवं शैक्षणिक सहायता प्रदान करता है। इस निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक हरप्रीत कौर ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति, कक्षा शिक्षण, अध्ययन वातावरण, आवासीय सुविधाओं तथा भोजन व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर मेहनत करने तथा सुपर 100 कार्यक्रम द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

एनएसएस व्यक्ति निर्माण की कार्यशाला : डॉ. ममता सचदेवा

कुरुक्षेत्र। हरियाणा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल में राज्य स्तरीय सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का विधिवत शुभारंभ हुआ। शिविर का उद्घाटन भारत विकास परिषद की मैत्रेयी शाखा की अध्यक्ष एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा की धर्मपत्नी डॉ. ममता सचदेवा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर डॉ. ममता सचदेवा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए एनएसएस के गठन, उद्देश्यों और समाज निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एनएसएस व्यक्ति निर्माण की कार्यशाला है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

बच्चों के विकास के लिए मिडब्रेन एक्टिवेशन का बहुत महत्व : औलिया

कुरुक्षेत्र। श्री दुर्गा देवी मंदिर पिपली, कुरुक्षेत्र के पीठाधीश और समर्थगुरु धारा हिमाचल के जोनल कोऑर्डिनेटर आचार्य डॉ. सुरेश मिश्रा ने बताया कि समर्थगुरु धाम, मुरथल, हरियाणा के संस्थापक समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया जी के पावन सान्निध्य में बालोत्सव कार्यक्रम 8 जून से 13 जून 2026 तक बहुत धूमधाम से मनाया गया। जिसमें बच्चों को ध्यान, प्रज्ञा, उत्सव के साथ मिडब्रेन एक्टिवेशन सिखलाया गया। आचार्य देवेन्द्र जी ने सभी बच्चों को प्रशिक्षण दिया। आँखों पर काली पट्टी बांधकर स्टेज पर बच्चों ने सुन्दर सुन्दर प्रतिभा दिखलाई। बच्चों की अद्भुत प्रतिभा देखकर सभी आश्चर्य चकित हो गये। समर्थगुरू ने सभी अभिभावकों और बच्चों को आशीर्वाद दिये और बताया कि यह लिटल बुद्धा है। बच्चें इस कार्यक्रम में उत्सव, ध्यान और प्रज्ञा सीखते है। बालोत्सव कार्यक्रम से सतयुगी बच्चें होंगे। अभी 21 वी सदी की उत्तरार्ध पीढ़ी तैयार हो रही है। यह आध्यात्मिक मेला है। अन्य बच्चों की अपेक्षा में विशेष यह बच्चे समर्थगुरु धाम के आयोजित कार्यक्रम से जोरबा दि बुद्धा बनेंगे। सनातन धर्म के सच्चे सन्त सिपाही बनेंगे। जो डेस्टिनेशन कोऑर्डिनेटर आचार्य गगन के निर्देशन में शुरू हुआ। आचार्य कुलदीप ने सभी साधकों को सनातन धर्म की वैज्ञानिकता बताई। समर्थगुरु धाम के केंद्रीय संयोजक आचार्य दर्शन ने बताया कि समर्थगुरु धाम मुरथल , हरियाणा में अगले वर्ष बालोत्सव कार्यक्रम 1जून से 6 जून 2027 को होगा। बच्चों के माता पिता सिद्धार्थ ध्यान योग, सुरति योग, दाम्पत्य प्रज्ञा और वात्सल्य प्रज्ञा कार्यक्रम इस अवधि में कर सकते है।

मिसाल 183 बार रक्तदान, 89 बार प्लेटलेट्स दान तथा 1 बार प्लाज्मा दान कर चुके डा. अशोक वर्मा

रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा : डा. अशोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। यह दिन उन लाखों स्वैच्छिक रक्तदाताओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो निस्वार्थ भाव से अपने रक्त की अमूल्य बूंदें दान कर अनगिनत लोगों को नया जीवन प्रदान करते हैं। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करना तथा सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह कहना है डायमंड रक्तदाता एएसआई डा. अशोक वर्मा का। डा. अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि रक्त मानव शरीर का एक ऐसा अनमोल तत्व है जिसे किसी प्रयोगशाला या कारखाने में तैयार नहीं किया जा सकता। इसका एकमात्र स्रोत स्वस्थ मनुष्य ही है। जब कोई व्यक्ति रक्तदान करता है, तो वह केवल रक्त नहीं देता बल्कि किसी जरूरतमंद को जीवन जीने का अवसर प्रदान करता है। यही कारण है कि रक्तदान को महादान कहा जाता है। रक्तदान के बारे में समाज में अनेक भ्रांतियां प्रचलित हैं। कुछ लोग सोचते हैं कि रक्तदान करने से शरीर कमजोर हो जाता है, जबकि वैज्ञानिक तथ्य यह है कि स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में रक्तदान के बाद नया रक्त बनने की प्रक्रिया तुरंत शुरू हो जाती है। रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।

पिता कलीराम से ली प्रेरणा

मेरे लिए रक्तदान केवल एक सामाजिक गतिविधि नहीं, बल्कि जीवन का मिशन है। करनाल में जन्म और शिक्षा प्राप्त करने के दौरान वर्ष 1990 में छात्र जीवन में मैंने पहली बार रक्तदान किया था। उस समय मैं एनसीसी कैडेट था। बाद में मेरे जीवन में एक ऐसी घटना घटी जिसने रक्तदान के प्रति मेरी प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत कर दिया। मेरे पुत्र के जन्म के समय उसे गंभीर पीलिया हो गया और चिकित्सकों ने रक्त बदलने की आवश्यकता बताई। उस समय मुझे स्वयं रक्तदान करने का अवसर मिला। उस अनुभव ने मुझे यह एहसास कराया कि रक्त की एक यूनिट किसी परिवार की खुशियां बचा सकती है। उसी दिन मैंने संकल्प लिया कि जीवनभर रक्तदान करूंगा और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करता रहूंगा। मेरे जीवन की प्रेरणा मेरे पिता स्वर्गीय कली राम रहे, जो भारतीय सेना में सैनिक थे। जब मैंने पहली बार रक्तदान किया, तब परिवार के कुछ लोग इससे सहमत नहीं थे, लेकिन मेरे पिता ने मुझे प्रोत्साहित करते हुए कहा था, रक्तदान महादान है और इसे निरंतर जारी रखना चाहिए। उनके ये शब्द आज भी मेरे जीवन का मार्गदर्शन करते हैं। उन्हीं की स्मृति में वर्ष 2010 से प्रत्येक वर्ष रक्तदान शिविर आयोजित करने की परंपरा शुरू की गई, जो आज भी जारी है। ईश्वर की कृपा और समाज के सहयोग से अब तक मुझे 183 बार रक्तदान, 89 बार प्लेटलेट्स दान तथा 1 बार प्लाज्मा दान करने का अवसर मिला है। इसके साथ ही 590 स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें 21,076 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। इस रक्त से लगभग 63 हजार से अधिक मरीजों को प्रत्यक्ष लाभ मिला।

रेडक्रॉस सोसाइटी का स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आज

कुरुक्षेत्र। हरियाणा रैड क्रॉस के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी एवं महासचिव डा. सुनील कुमार के दिशा निर्देश एवं उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के आदेशानुसार जिला रेडक्रास सोसाइटी विभिन्न प्रकार के कार्य कर रही है। इसी कड़ी में 14 जून को स्वैच्छिक रक्तदान दिवस का आयोजन कर रही है। डा. अशोक कुमार के साथ मिलकर स्वैच्छिक रक्तदान का आयोजन जेल परिसर कुरुक्षेत्र में, एक सहारा फाउंडेशन द्वारा शनि मंदिर, उमरी चौक एवं ग्राम पंचायत,बिहोली द्वारा पिपली में रक्त दान शिविरों का आयोजन कर रही है । रमेश चौधरी सचिव रेडक्रॉस ने बताया कि विश्व रक्तदाता दिवस पर दुनिया भर में रक्तदान के महत्व को बढ़ावा देने और स्वैच्छिक रक्तदाताओं को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। यह दिन उन लोगों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर भी है, जो अपने रक्तदान से अनगिनत जिंदगियों को बचाने में योगदान देते हैं। गत वर्ष भी जिला रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा 11 हजार ब्लड यूनिट एकत्रित किया गया था। उन्होंने कहा कि हर साल इस खास दिन पर लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम और अभियान चलाए जाते हैं। रक्त की आवश्यकता किसी भी समय और किसी भी व्यक्ति को पड़ सकती है, इसलिए सुरक्षित और पर्याप्त रक्त भंडार बनाए रखना बेहद जरूरी माना जाता है।

खबर संक्षेप

नीट परीक्षा के लिए जिले में बनाए सात सेंटर

अंबाला। अतिरिक्त उपायुक्त विराट ने बताया कि 21 जून को नेशनल एलिजिबिल्टि कम एंट्रेस टेस्ट (नीट-यूजी) की लिखित परीक्षा नकलरहित व पारदर्शी तरीके से आयोजित करवाई जाएगी। इस परीक्षा के लिए सात सेंटर बनाए गए हैं। इसमें 2962 परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचेंगे। परीक्षा के दृष्टिगत सभी सेंटरों पर सुरक्षा की दृष्टि से व्यापक प्रबंध रहेंगे।

संपत्ति कर जमा के लिए विशेष काउंटर रहेंगे खुले

अंबाला। प्रदेश सरकार द्वारा नागरिकों को राहत प्रदान करते हुए संपत्ति कर के बकाया ब्याज राशि पर 30 जून 2026 तक विशेष छूट प्रदान की गई है। इस योजना का अधिक से अधिक लाभ आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर निगम अंबाला द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। अतिरिक्त निगम आयुक्त दीपक सूरा ने बताया कि नगर निगम कार्यालय में 30 जून 2026 तक संपत्ति कर जमा करवाने के लिए रविवार के दिनों में भी विशेष कर संग्रहण काउंटर खुले रहेंगे।

विदेश भेजने पर धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

अंबाला। विदेश भेजने के नाम पर लाखों रूपये हड़पने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुनील वासी दिल्ली के रूप में हुई है। आर्थिक अपराध शाखा के निरीक्षक परमवीर ने बताया कि शिकायतकर्ता जोगिंद्र सिंह ने 4 सितंबर 2025 को शिकायत दी थी कि 12 जून 2024 से 28 सितंबर 2024 के बीच आरोपी सुनील व अन्य ने उसके पुत्र को विदेश भेजने का झांसा देकर उससे 50 लाख रूपये की रकम हड़प ली। न तो उसे विदेश भेजा और न ही उसके पैसे वापिस किए। अब पुलिस ने मामले में संलिप्त आरोपी को रोहिला दिल्ली से गिरफ्तार किया है।

विवि प्रशासन ने छात्रों के हित में दिया स्पेशल चांस

जींद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा लंबे समय से उठाई जा रही विद्यार्थियों की मांग को स्वीकार करते सीआरएस विवि प्रशासन ने यूजी पांचवें एवं सातवें सेमेस्टर तथा पीजी तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों को स्पेशल चांस प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस निर्णय के तहत ऐसे विद्यार्थी जो किसी कारणवश अपने संबंधित सेमेस्टर के पेपर पास नहीं कर पाए थे अथवा उनकी डिग्री अधूरी रह गई थी, अब एक विशेष अवसर के माध्यम से अपनी परीक्षा देकर अपने शैक्षणिक भविष्य को सुरक्षित कर सकेंगे।

सामाजिक मुद्दों को लेकर खापों ने किया मंथन

जींद। समाजिक मुद्दों को लेकर सर्वजातीय खाप पंचायतों व सभी समाजिक संगठनों प्रबुद्ध व्यक्तियों युवाओं महिलाओं के प्रतिनिधियों ने तीन दिवसीय चिंतन शिविर आयोजित किया गया। इस चिंतन शिविर में लव मैरिज लीव इन समलैंगिक नशा मुक्ति जातियों की एकता जैसे विषयों पर चिन्तन किया गया समुन्द्र सिंह फोर प्रवक्ता माजरा खाप पंचायत जो चिन्तन शिविर कमेटी के सदस्य हैं ने बताया कि इस चिंतन शिविर में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान से 225 से ज्यादा खापों ने भाग लिया।

लंबित शिकायतों के समाधान को लेकर गठित की कमेटियां

मानसून से पहले क्षेत्र में प्राथमिकता से करें नालियों की सफाई : कृष्ण बेदी

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने शिकायतों पर की गई सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। मीटिंग में मौजूद कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

अंबाला शहर के सभागार में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में महज दो शिकायतों का ही समाधान हो पाया। अन्य 10 शिकायतों के समाधान के लिए कमेटी गठित की गई है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछडे वर्ग कल्याण और अंतोदय सत्कार, वास्तुकला विभाग के मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने मीटिंग में रखी 12 शिकायतों पर सुनवाई की थी। इस मौके पर नारायणगढ़ की विधायक शैली चौधरी, मुलाना की विधायक पूजा चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, विधानसभा संयोजक रितेश गोयल, उपायुक्त अजय सिंह तोमर, पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत, नगर निगम आयुक्त वीरेंद्र सिंह सहरावत भी मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में एजेंडे में रखी 12 शिकायतों को सुनते हुए 2 का निवारण किया गया है। 10 शिकायतों के समाधान के लिए कमेटी का गठन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का साफ संदेश है कि लोगों की समस्याओं को सुना जाए। उनका निवारण करने की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि लोग अपनी समस्याएं विभिन्न माध्यमों से रखते हैं जिसमें सीएम विंडो, जन संवाद, समाधान शिविर तथा जिला स्तर पर प्रतिनिधि के समक्ष रखते हैं। इसके अलावा कष्ट निवारण समिति की बैठक भी एक माध्यम है जिसमें प्रार्थियों की शिकायतों को सुनकर उनका समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि उनका पूरा प्रयास है कि लोगों की समस्याओं का निवारण करते हुए उसे समय रहते न्याय दिलवाना है। मानसून को ध्यान में रखते हुए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में नालियों की सफाई को प्राथमिकता से करवाया जाएगा।

इन शिकायतों पर हुई सुनवाई

जिला कष्ट निवारण समिति की मीटिंग में गांव बिहटा व तेपला से आए पवन कुमार, अश्वनी चौहान तथा इंद्रजीत सिंह व हरभजन सिंह ने बताया कि उनके खेतों के पास से बरसाती नदी निकलती है जोकि शामली अंबाला हाईवे बनने से बंद हो गई है। अब इसका पानी हमारे खेतों में भर जाता है। मंत्री ने प्रार्थी व अधिकारी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट को सुनने के उपरांत इस मामले में विधायक मुलाना, भाजपा अध्यक्ष मनदीप राणा, एडीसी, एसडीएम, नायब तहसीलदार साहा, सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता, कष्ट निवारण समिति के सदस्य संजीव मिश्रा के साथ प्रार्थी को भी कमेटी में शामिल करते हुए बैठक कर आगामी बैठक से पहले रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

इन शिकायतों पर हुई सुनवाई

गांव बिहटा के पवन कुमार ने गांव से बरसाती पानी की निकासी की समस्या रखी। इस मामले में मंत्री ने बीडीपीओ साहा, सिंचाई विभाग के एक्सईएन व कष्ट निवारण समिति के एक सदस्य को नियुक्त करते हुए उक्त जगह का मुआयना करने के निर्देश दिए। अंबाला शहर के पशुपति कुष्ट आश्रम से आए लोगों ने बताया कि बरसाती पानी की निकासी सही तरीके से न होने के कारण उनके आश्रम के नजदीक जो नाला है वह बंद पड़ा है। इससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस मामले में मंत्री ने आयुक्त नगर निगम को निर्देश दिए कि पशुपति कुष्ठ आश्रम के पीछे की चारदीवारी करवाकर नगर निगम के अधिकारियों को मौका मुआयना करें। गांव नन्हेड़ा के बीरू राम ने कहा कि उसका गांव में मकान है। वह पिछले कई वर्षों से उसका ही जगह पर कब्जा भी है। उसने बताया कि नगर परिषद् द्वारा उसकी प्रोपर्टी आईडी में से उसका नाम हटा दिया गया है। इस मामले में कैबिनेट मंत्री ने उपायुक्त को मामले की जांच करने के निर्देश दिए हैं। गांव गदौली के सुखबीर सिंह की जमीन से जुड़े मामले पर कैबिनेट मंत्री ने विधायक नारायणगढ़, मंडल अध्यक्ष, कष्ट निवारण समिति के सदस्य, नायब तहसीलदार व एसएचओ की एक कमेटी गठित करते हुए मामले की जांच करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत राजोखेडी की सरपंच राजिंद्र कौर व अन्य द्वारा पेयजल व्यवस्था के लिए नई पाईप लाईन बिछाने की शिकायत रखी। इस मामले में कार्यकारी अभियंता ने बताया कि गांव में पाइपलाईन बिछा दी जाएगी। गांव गदौली के कुलदीप सिंह ने गांव में सिंचाई विभाग द्वारा बनाए जा रहे पुल के निर्माण कार्य के साथ जो स्टोन पीचिंग का कार्य किया जा रहा है वह सही तरीके से नहीं हो रहा है। इस मामले में कैबिनेट मंत्री ने प्रार्थी को सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करने के बारे में कहा। जोगिंद्र सिंह ने उसके घर के सामने बिजली का खंभा टेढा होने व नंगी तारें होने की शिकायत रखी।

पारिवारिक पंचायत में की दामाद ने दादी की हत्या

- पंचायत में कहासुनी के दौरान आरोपियों ने किया हमला, पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुलाना

परिवारिक पंचायत के दौरान हुए झगड़े में विवाहिता की बुजुर्ग दादी बिमला देवी की मौत हो गई। आरोपी कुलबीर ने उन्हें जोरदार धक्का दिया था। आरोप है कि कुलबीर ने अपने हाथ में पहने भारी कड़े से बिमला के मुंह पर हमला किया था। जिससे वह चारपाई पर गिर गई। खून से लथपथ हालत में बुजुर्ग को सीएचसी मुलाना दाखिल किया गया। यहां से उन्हें एमएमयू मुलाना अस्पताल रेफर कर दिया था। दरअसल करीब पांच साल पहले हुए प्रेम विवाह के बाद कोई बच्चा न होने पर प्रताड़ित की जा रही विवाहिता के घर जब उसका परिवार समझौता करवाने पहुंचा तो लड़के पक्ष ने हमला कर दिया। इस हमले के दौरान यमुनानगर के सुल्तानपुर गांव की बिमला देवी (75) की चेहरे पर गहरा घाव होने के चलते मौत हो गई। जबकि विवाहिता के ताया धर्मबीर, चचेरे भाई हिमांशु, ताई कोमल रानी को भी काफी चोटें आई। पुलिस के आने पर हमलावर भाग गए। मुलाना पुलिस ने मृतका के पोते विनायक उर्फ सौरभ की शिकायत पर हमलावर दामाद कुलबीर सिंह, रणजीत सिंह, राजू पर हत्या की धारा 103(1), स्वेच्छा से चोट पहुंचाना की धारा 115, आपराधिक धमकी 351(2) सामूहिक अपराध की धारा 3(5) के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस को दिए बयान में विनायक ने बताया कि 12 जून शाम करीब 7:30 बजे वह अपनी बहन खुशी, ताया धर्मबीर, चचेरे भाई हिमांशु, ताई कोमल रानी और दादी बिमला देवी के साथ बाइकों पर सवार होकर काशापुर आए थे। दोनों पक्ष बैठकर बातचीत कर रहे थे कि अचानक कहासुनी होने पर जीजा कुलबीर सिंह, उसके चाचा राजू, रणजीत सिंह ने हमला कर दिया। बुजुर्ग दादी बिमला देवी बीच-बचाव करने आईं तो आरोपी कुलवीर ने उन्हें जोरदार धक्का दिया और अपने हाथ में पहना भारी कड़ा उनकी बाईं आंख के नीचे दे मारा, जिससे वह चारपाई पर गिर गई। खून से लथपथ हालत में सीएचसी से उन्हें एमएमयू मुलाना अस्पताल रेफर कर दिया था। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बिंदल बने हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के उप प्रधान

- सीएम नायब सिंह सैनी व पार्टी नेतृत्व का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शहजादपुर

शहजादपुर। राकेश बिंदल का अभिनंदन करते पार्टी नेता।

क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी राकेश बिंदल को हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड का वाइस चेयरमैन नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को भारतीय जनता पार्टी में लगभग 35 वर्षों की सक्रिय संगठनात्मक सेवाओं और समर्पित कार्यशैली का सम्मान माना जा रहा है।

नियुक्ति के बाद राकेश बिंदल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग की समस्याओं के समाधान और उनके हितों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। राकेश बिंदल का जन्म 21 अक्तूबर 1969 को विधानसभा क्षेत्र के गांव बरोली में हुआ। उनके पिता स्वर्गीय ओम प्रकाश बिंदल भारतीय जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहे। दिसंबर 2021 से नवंबर 2023 तक महेश नगर मंडल प्रभारी रहे। वर्ष 2023 से मई 2024 तक उन्होंने साढौरा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा विस्तारक के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। 2024 के विधानसभा चुनाव में राकेश बिंदल ने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी के चुनाव एजेंट के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

आपातकाल के दौरान काटी थी जेल

1962 से जनसंघ की गतिविधियों में सक्रिय रहे ओम प्रकाश बिंदल आपातकाल के दौरान राजनीतिक बंदी के रूप में अंबाला सेंट्रल जेल में भी रहे। 2016 में सरकार द्वारा उन्हें लोकतंत्र की रक्षा में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया था। बिंदल वर्ष 1991 से भारतीय जनता युवा मोर्चा के माध्यम से सक्रिय राजनीति में आए और लगातार संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते रहे। उन्होंने वर्ष 2000 से 2003 तक भाजपा नारायणगढ़ मंडल के महामंत्री तथा वर्ष 2003 से 2006 तक मंडल अध्यक्ष का कार्यभार संभाला। वर्ष 2007 से 2010 तक वे भाजपा जिला अंबाला के कोषाध्यक्ष रहे, जबकि वर्ष 2010 से 2012 तक जिला प्रशिक्षण संयोजक की जिम्मेदारी निभाई।

घरेलू विवाद के चलते विवाहिता पर हमला पुलिस ने चार के खिलाफ किया मुकदमा दर्ज

- सगे भाई, भाभी और उनके रिश्तेदारों पर घर में जबरन घुसकर मारपीट की व गला दबाकर धमकाते हुए अलमारी व पेटी से कीमती सामान निकालने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

बीडी फ्लोर मिल के पीछे निवासी लक्ष्मी नगर में घरेलू विवाद के चलते जमकर हंगामा हुआ। नवविवाहिता का आरोप है कि सगे भाई, भाभी और उनके रिश्तेदारों पर घर में जबरन घुसकर मारपीट की व गला दबाकर धमकाते हुए अलमारी व पेटी से कीमती सामान निकाल लिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों आरोपियों को काबू कर लिया। कोमल सैनी की शिकायत पर भाई विशाल सैनी, भाभी रीना, मामा ईश्वर सिंह, बुआ सुलोचना देवी पर मारपीट, धमकाने की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। लक्ष्मी नगर की कोमल सैनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह इन दिनों अपने मायके आई हुई थी।

9 जून को सुबह पति सुमित सैनी अपने व्यापार के काम से बाहर गए थे, जबकि उसके पिता रमेश सैनी और बड़ा भाई गौरव सैनी अंबाला शहर कोर्ट के किसी काम से गए हुए थे। सुबह करीब 11 बजे घर पर अकेली थी। तभी छोटा भाई विशाल सैनी, भाभी रीना सैनी, भाभी का मामा ईश्वर सिंह और बुआ सुलोचना देवी जबरन उनके घर में घुस आए।

घर में घुसते ही विशाल और रीना अलमारी व पेटी खोलकर सामान खंगालने लगे। जब कोमल ने इसका विरोध किया तो चारों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि भाभी के मामा ईश्वर सिंह ने मुंह और गला दबाया। इस मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरु कर दी है।

गैंगस्टर वैकेंट गर्ग से पूछताछ शुरू, इंटरनेशनल नेटवर्क एवं फर्जी पासपोर्ट के मामले में होगी जांच

- एसटीएफ ने आरोपी को पूछताछ के लिए 12 दिन के लिए रिमांड पर लिया, 10 दिसंबर 2024 को गुरुग्राम के फर्जी पते पर पासपोर्ट बनवाकर जॉर्जिया भागा था वैकेंट गर्ग

नारायणगढ़। जॉर्जिया से डिपोर्ट कर भारत लाए गए हत्या व रंगदारी के 32 मामलों के आरोपी बदमाश वेंकट गर्ग को एसटीएफ ने पूछताछ शुरू कर दी है। जांच टीम ने आरोपी को 12 दिन के रिमांड पर लिया है। आरोपी से अब अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क व फर्जी पासपोर्ट रैकेट का पर्दाफाश करने के लिए पूछताछ चल रही है। एसटीएफ की जांच में सामने आया था कि वेंकट गर्ग 10 दिसंबर 2024 को दिल्ली से भागा था। गुरुग्राम के फर्जी पते पर पासपोर्ट बनवाकर जॉर्जिया पहुंच गया था। रिमांड के दौरान आरोपी को गुरुग्राम ले जाया जाएगा। बता दें कि नारायणगढ़ में 25 जनवरी 2025 को हरबिलास हत्या कांड से पहले ही वेंकट गर्ग जॉर्जिया भाग गया था। वहीं से बैठे-बैठे अपने गुर्गों के जरिये हरबिलास की हत्या करवाई। जांच के दौरान पता चला था कि इस मामले में वेंकट ही मुख्य आरोपी है। एसटीएफ कुछ रोज पहले ही उसे जॉर्जिया से भारत लेकर आई है। लंबे समय से उसे भारत लाने की प्रक्रिया चल रही थी। आरोपी से सभी मामलों में सिलसिलेवार पूछताछ की जाएगी।

सफीदों की बेटी प्रेरणा ने रचा इतिहास

- मोशन सिकनेस से राहत के लिए बनाई पेटेंटेड मेडिकेटेड च्युइंगम

सफीदों। छोटे शहरों की बेटियां अब केवल सपने नहीं देख रहीं बल्कि उन्हें साकार कर देश व दुनिया में अपनी पहचान बना रही हैं। ऐसा ही एक गौरवपूर्ण उदाहरण पेश किया है सफीदों की होनहार बेटी एवं मदवि रोहतक के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की पूर्व शोधार्थी डा. प्रेरणा कौशिक ने। डा. प्रेरणा ने अपने शोध सहयोगियों विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक कौशिक और एसोसिएट प्रो. डा. विनीत मित्तल के साथ मिल कर मोशन सिकनेस से बचाव के लिए एक विशेष मेडिकेटेड च्युइंग गम विकसित की है, जिसे भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा पेटेंट प्रदान किया है। यह उपलब्धि न केवल सफीदों बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है। जैसे ही यह खबर शहर में पहुंची तो लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रेरणा के निवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया और हर कोई इस उपलब्धि को क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बता रहा है। डा. प्रेरणा ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने अपने माता-पिता के मार्गदर्शन, शोध सहयोगियों और विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट शोध वातावरण को दिया है। कहा कि यह टीम वर्क का परिणाम है और विवि द्वारा मिले सहयोग ने इस शोध को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई है। प्रेरणा कौशिक ने बताया कि मोशन सिकनेस यानी यात्रा के दौरान होने वाली उल्टी, जी मिचलाना और चक्कर जैसी समस्याएं आम हैं, जो लाखों लोगों को प्रभावित करती हैं। बस, ट्रेन या कार में सफर करते समय कई लोग इस परेशानी से जूझते हैं, जिससे उनका सफर बेहद असहज हो जाता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए यह एक समाधान विकसित किया है। जो न केवल प्रभावी है बल्कि उपयोग में भी बेहद आसान है।

जींद। नागरिक अस्पताल के सामने धरना देते हुए। फोटो :हरिभूमि

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर दिया धरना

जींद। रेफर मुक्त संघर्ष समिति के संयोजक फरीदाबाद निवासी प्रदेश में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मुहिम को लेकर साइकिल यात्रा पर निकले हैं। एक जून से फरीदाबाद से शुरू की साइकिल यात्रा में वह नूहं, गुरुग्राम, रेवाड़ी, चरखी दादरी, सोनीपत व रोहतक जैसे जिलों से होते हुए 13वें दिन शनिवार को जींद पहुंचे। सुबह साढ़े दस बजे जींद पहुंचने के बाद वे दो घंटा नागरिक अस्पताल के सामने रुके। यहां दो घंटा आराम के बाद वे हांसी के लिए निकल गए। सतीश चोपड़ा का कहना था कि वे पंचकूला पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग को लेकर वे स्वास्थ्य मंत्री आरती राव से मिलेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी से भी मुलाकात करेंगे। इस साइकिल यात्रा में उनके साथ सुनील कुमार भी साथ रहे। सतीश चोपड़ा कहना है कि इससे पहले भी उन्होंने 2024 में 294 दिन का धरना नागरिक अस्पताल फरीदाबाद के आगे भी दिया था।

जमीन खाते अलग करवाने को लेकर दो महीने से अधिकारियों के धक्के खा रहे आवेदक

जींद। जमीन के खाते अलग-अलग करवाने की मांग को लेकर एक पीड़ित दो महीने से चक्कर काट रहा है। पीड़ित का कहना है कि अधिकारियों को शिकायत देने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। इसके बाद उसने डिप्टी स्पीकर डा कृष्ण मिढ़ा के नाम शिकायत देकर समस्या का समाधान करने की मांग की है। गांव भंभेवा हाल आबाद अर्बन एस्टेट निवासी सुरेंद्र सिंह ने कहा कि उसके गांव भंभेवा में दादा जयलाल के नाम 63 कनाल 18 मरले जमीन है। जिसका आज तक बंटवारा नहीं हुआ है। खेवट में जमीन का खाता अलग-अलग करवाने के लिए एक पटवारी ने उससे दो हजार लिए लेकिन उसका काम नहीं हुआ।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

कबीर दास जयंती भव्य तरीके से मनाई जाएगी

जींद। जींद-अशरफगढ़ रोड पर निर्माणाधीन संत कबीर छात्रावास में संत शिरोमणि कबीरदास की 629वीं जयंती को कई समाजों द्वारा भव्य तरीके से मनाया जाएगा। जयंती की तैयारियां को लेकर प्रधान सतबीर सिंह लाडवाल ने कहा जयंती मुख्यअतिथि को लेकर वे संस्था की कार्यकारिणी के सदस्यों को साथ लेकर सीएम नायब सिंह सैनी, कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा से कई बार मिले पर समय नहीं मिला। संस्था की भलाई के लिए डिप्टी स्पीकर से संस्था के लोग पांच बार मिले लेकिन समय नही मिल पाया। कार्यक्रम में प्रदेश के राज्यसभा सांसद कर्मवीर सिंह बौद्ध मुख्यअतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल ने हर्बल पार्क में किया पौधरोपण

पीएम मोदी के मार्गदर्शन में देश उन्नति की ओर अग्रसर: गोयल

मोदी सरकार गरीबों को समर्पित है। हर वर्ग के उत्थान के लिए निंरतरता में किए जा रहे कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। पौधरोपण करते पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल व अन्य।

केंद्र सरकार की 12 साल की उपलब्धियों के दृष्टिगत अंबाला शहर के हर्बल पार्क में वन विभाग द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री असीम गोयल नन्यौला ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। वशिष्ठ अतिथि के तौर पर मेयर अक्षिता सैनी उपस्थित रही। इस मौके पर पूर्व मंत्री असीम गोयल व मेयर अक्षिता सैनी ने पौधारोपण कर सभी को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इससे पहले उनका यहां पहुंचने पर हर्बल पार्क वैल्फेयर सोसायटी ने पर्यावरण का प्रतीक पौधा देकर उनका अभिनंदन किया।

पूर्व मंत्री असीम गोयल नन्यौला ने इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में देश तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। उनका 12 साल का समय सेवाकाल का है। सेवाभाव से उन्होंने सभी को साथ लेकर देश को उन्नति के पथ की ओर ले जाने का काम किया है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में भारत में नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। वैश्विक स्थिति मजबूत हुई है, सामरिक दृष्टि से भारत आगे बढ रहा है, नए भारत का सृजन हो रहा है। उन्होंने इस मौके पर यह भी कहा कि इन 12 सालों में लोगों का विश्वास जीतने का काम किया है। विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। मोदी सरकार गरीबों को समर्पित है। हर वर्ग के उत्थान के लिए निंरतरता में कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की टीम हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी सोच के साथ 140 करोड देशवासियों को साथ लेकर कार्य कर रही है। पूर्व मंत्री ने कहा कि पेड़ लगाना जहां अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम संकल्प अभियान का शुभारंभ किया है। इस संकल्प के तहत हमें एक पेड़ अपनी मां के नाम से अवश्य लगाना चाहिए।

हरिभूमि रविवार भारती

haribhoomi.com

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार 14 जून 2026

रिलेशनशिप का नया ट्रेंड
डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड

हाल के वर्षों में एआई ने अनेक प्रोफेशंस में जबर्दस्त बदलाव कर दिया है। अब प्रोफेशंस से भी आगे बढ़कर रिलेशनशिप में भी इसका दखल बढ़ने लगा है। इसका प्रमाण है, रियल के बजाय डिजिटल पार्टनर बनाने का बढ़ता ट्रेंड। यह ट्रेंड क्या है, यह क्यों बढ़ रहा है और आने वाले समय में इसके किस तरह के असर हम सभी को देखने को मिल सकते हैं, इसका डिटेल्ड एनालिसिस।

कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम

भले ही आज यह बात आपको थोड़ा असहज कर सकती है, लेकिन यह सच है कि रिलेशनशिप का नया ट्रेंड तेजी से सामने आ रहा है, वो है डिजिटल गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड। डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड (जीएफ/बीएफ) कोई साधारण ट्रेंड नहीं है, बल्कि इंसानी रिश्तों के ढांचे में अभूतपूर्व बदलाव की शुरुआत है।

रियल पार्टनर जैसी फीलिंग

आज एआई आधारित एप्स और विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे रिपेलिका और करेक्टर एआई मौजूद हैं, जो यूजर के साथ उसी तरह रोमांटिक, भावनात्मक या निजी बातचीत करते हैं, जैसे ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड आपस में करते हैं। ये आपकी पसंद ही नहीं भावनाओं को भी समझते हैं, आपकी बातों पर प्रतिक्रिया देते हैं और पर्सनल पार्टनर जैसा अनुभव देते हैं।

करोड़ों लोग हैं एक्टिव

डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड कोई रेयर या एक्सेप्शनल फिनोमिना नहीं है। सच्चाई तो यह है कि अगर एआई कंपेनियनशिप एप्स के आंकड़ों को मानें तो इस समय दुनिया में 5 से 6 करोड़ जीएफ/बीएफ सक्रिय रूप में मौजूद हैं। पूरी दुनिया में 10 करोड़ से ज्यादा लोग ऐसे हैं, जो इनके साथ किसी न किसी रूप से चैटबॉट्स के जरिए जुड़ते हैं। इनमें सिर्फ रिपेलिका के ही 3-4 करोड़ यूजर हैं, जबकि करेक्टर एआई के 2 करोड़ सिर्फ मंथली एक्टिव यूजर हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया के 21 फीसदी वयस्क एआई कंपेनियनशिप का इस्तेमाल कर चुके हैं और 72 फीसदी किशोर कम से कम एक बार ऐसे एआई से बातचीत की है। मतलब यह कि अब यह कुछ थोड़े से लोगों का शौक या प्रयोग भर नहीं है बल्कि यह बड़ी जनसंख्या का न्यू नॉर्मल व्यवहार है।

अपने देश में भी बढ़ रहा ट्रेंड

भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। हालांकि भारत के अलग से सटीक आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इसका बढ़ता ट्रेंड साफ तौर पर देखा जा सकता है। और ऐसा हो भी क्यों न, आखिर भारत दुनिया का सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर देश है। भारत में एक अरब से ज्यादा मोबाइल फोन इस्तेमाल में हैं और इनमें 80 करोड़ से ज्यादा में इंटरनेट का इस्तेमाल होता है। अगर एआई एप्स डाउनलोड ग्रोथ 2023-24 को देखें, तो भारत में इसकी रफ्तार 1400 फीसदी रही है यानी, हाल के सालों में भारत में एआई एप्स को डाउनलोड करने की रफ्तार 14 गुना तक बढ़ी है। क्योंकि भारत में मोबाइल फोन के सबसे बड़े उपभोक्ता 18 से 30 साल के युवा हैं। इसलिए भी भारत में एआई कंपेनियनशिप की मांग अविश्वसनीय रफ्तार से बढ़ रही है। क्योंकि इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला यही वर्ग (18-30) सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर वर्ग है। इसके बावजूद भी यह कहा जा सकता है कि भारत में यह सिलसिला अभी शुरुआती चलन में है, भले इसकी रफ्तार बहुत तेज हो।

इस ट्रेंड के बढ़ने की वजहें

सवाल है, आखिर इंसानों को डिजिटल जीएफ और बीएफ तक जाने की जरूरत ही क्यों पड़ी? यानी हम आखिर यहां पहुंचे क्यों और कैसे? इसका सबसे बड़ा कारण है लोगों में बढ़ता अकेलापन। शहरी जीवन, काम का दबाव, टूटते सामाजिक नेटवर्क और भावनात्मक सहारा ढूंढ़ते युवा। वास्तव में यही वजहें हैं, जिनके चलते पिछले कुछ सालों में ही डिजिटल जीएफ/बीएफ की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। असली रिश्तों में लगातार बढ़ती असहमति, समझौते और जिम्मेदारियां एआई रिश्तों की तरफ हमें मोड़ रही हैं, क्योंकि वहां इस तरह की दुश्वारियां या तो नहीं हैं या इतनी नहीं है कि परेशान करके रख दें। क्योंकि एआई रिश्ते 'कंट्रोल्ड' होते हैं और उनको संभालना आसान होता है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई अब इस कदर एडवांस हो चुका है कि वह लोगों को 'सोचने और समझने' का भी भ्रम पैदा कर रहा है।

रियल रिलेशन होंगे वीक

इस उभरते नए डिजिटल रिलेशन को लेकर गंभीर सवाल यह है कि अगर इस सिलसिले को जल्द रोका न गया, तो क्या होगा? भले ही अभी यह ट्रेंड रोमांचित कर रहा है, लेकिन सच है कि इससे हमारे जैविक रिश्ते आने वाले दिनों में बेहद कमजोर हो सकते हैं। अगर संबंध विशेषज्ञों की मानें तो यह सिलसिला इसी तरह बेकाबू आगे बढ़ता रहा तो असली रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगेंगी। हममें से ज्यादातर लोगों के रिश्तों के नाम एआई पार्टनर होंगे, क्योंकि एआई पार्टनर झगड़ा नहीं करते और हमेशा आपकी हां में हां मिलाते हैं। इससे असली रिश्ते जटिल लगने लगते हैं और एआई रिश्ते आकर्षक हो जाते हैं। जो लोग हर दिन एआई के साथ एक से दो घंटे के लिए संपर्क में रहते हैं, उन्हें एआई से लगाव हो जाता है। वे उसे अपने पार्टनर के रूप में स्वीकार करने लगते हैं। यह वैसा ही है, जैसे सोशल मीडिया एडिक्शन। पर, यह उससे भी एक कदम आगे का एडिक्शन है, क्योंकि इससे हमारे न सिर्फ भावनात्मक रिश्ते पर चोट लग रही है बल्कि इसके कारण हमारे समाज का सदियों से मौजूद पारंपरिक ढांचा दरकने लगा है।

मेंटल हेल्थ पर बुरा असर

डिजिटल रिलेशन का असर सिर्फ भावनात्मक रिश्तों तक ही सीमित नहीं रहता है बल्कि बढ़ते जीएफ/बीएफ ट्रेंड के कारण हमारे युवाओं के मेंटल हेल्थ पर भी गंभीर असर पड़ता है, क्योंकि शुरुआत में ये डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड भले राहत देते हों, लेकिन जब आप लगातार इनके टच में रहते हैं या इनका इस्तेमाल करते हैं, तो ये न केवल आपको अकेलेपन के दलदल में खींच ले जाते हैं बल्कि आपको कई तरह की हताशाओं और निराशाओं से भी भर देते हैं। अकसर एआई कंपेनियनशिप के साथ जो लोग खुश होते हैं, उन्हें नजदीक के इंसानों से रिश्ते बनाने में बड़ी मुश्किल लगती है और अगर किसी तरह से इनके रिश्ते बन भी गए, तो उन्हें यह रिश्ते बहुत पसंद नहीं आते। *

बढ़ सकती हैं कई तरह की समस्याएं

डिजिटल जीएफ/बीएफ का बढ़ता ट्रेंड सचमुच में डरावना है। इससे आने वाले समय में कई समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसके बढ़ने से शादी और परिवार की संस्था कमजोर होगी। कस्टम पार्टनर की आदत यानी हम जैसा साथी चाहते हैं या दूसरे शब्दों में अपनी कल्पना के साथी की तलाश में रहने लगेंगे। अगर यह चलन इसी तरह तेजी से बढ़ता रहा, तो देश और दुनिया में अकेले रहने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा हो जाएगी। कई विशेषज्ञों के मुताबिक तो अगले दो-तीन दशकों में अकेले रहने वाले लोग, साथ में रहने वाले लोगों से भी ज्यादा हो सकते हैं। इससे सामाजिक दूरी भी बढ़ेगी। यह ट्रेंड मानव समाज के सामने एक गंभीर चुनौती बन सकता है।

इंसानी सभ्यता की शुरुआत से ही हमेशा जवान, खूबसूरत दिखने की चाहत रही है। इसे पाने के लिए नेचुरल तरीकों से लेकर, साइंस, दवाएं और अब एआई तक का यूज किया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही खूबसूरती का कोई पर्मानेंट सॉल्यूशन हमें मिल जाएगा।

पर्मानेंट खूबसूरती की चाहत
जल्द मिल सकता है सॉल्यूशन

टेक्नोसाइंस / प्रतिमा अरोड़ा

इंसानी खूबसूरती का क्या कोई स्थायी और सार्वभौमिक फार्मूला हो सकता है? 19वीं शताब्दी से ही विज्ञान इस सवाल का जवाब ढूंढ़ रहा है। आधुनिक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जेनेटिक्स और कॉस्मेटिक मेडिसिन का अब लगभग यह केंद्रीय विषय बन चुका है कि दुनिया भर के इंसानों के लिए एक सार्वभौमिक खूबसूरती का पैमाना क्या हो और इसे पूरी दुनिया के स्तर पर संभव कैसे बनाया जाए? यह सोच और यह खोज इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इंसान सदियों से सुंदर होने के उपाय खोजता रहा है। कभी प्राकृतिक नुस्खों से, कभी शल्य चिकित्सा से, कभी जीन एडिटिंग से, तो अब एआई आधारित तकनीकों से भी।

खूबसूरती की खोज की शुरुआत

19वीं सदी के अंत से ही वैज्ञानिक इंसान की स्थायी खूबसूरती का समाधान खोज रहे हैं। विशेषकर जब से शरीर रचना विज्ञान यानी एनाटॉमी और त्वचा विज्ञान यानी डर्मेटोलॉजी का व्यवस्थित विकास हुआ। तभी से विज्ञान कुछ बातों पर फोकस कर रहा है। जैसे-त्वचा की संरचना का विज्ञान क्या है और इसे हमेशा जवान कैसे बनाए रखा जा सकता है? आखिर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया क्या है और इसे कैसे रोका जा सकता है? हार्मोन और सौंदर्य के बीच क्या संबंध हैं, क्या हार्मोन में ही इंसानी सौंदर्य का रहस्य छिपा है? 20वीं सदी के मध्य में प्लास्टिक सर्जरी के बाद कॉस्मेटिक सर्जरी लगभग चमत्कार की तरह उभरकर सामने आई। इस दौर में अनेक जैविक शोधों से यह स्पष्ट हुआ कि त्वचा का रंग, बालों की बनावट, चेहरे की आकृति और झुर्रियां इन सबका बड़ा हिस्सा जीन द्वारा नियंत्रित होता है। अतः जीन नियंत्रण का विज्ञान समझ लिया जाए तो एक तरह से खूबसूरती पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

सौंदर्य का केंद्र जेनेटिक्स

साल 2003 में ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट लांच हुआ और यह विज्ञान के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। इससे यह समझ में आया कि मानव शरीर में मौजूद हजारों जीन, हमारे शरीर की अलग-अलग संरचनाओं और गुणों के लिए जिम्मेदार हैं। इस शोध से पता चला त्वचा की मोटाई का कारण क्या है? कोलेजन का उत्पादन कैसे होता है? उम्र बढ़ने की गति क्या होती है? बाल झड़ते क्यों हैं? केंद्रीय रूप से इन सबके पीछे विशिष्ट कारण सिर्फ जीन हैं। आज वैज्ञानिक जीनों की पहचान करके एजिंग के रहस्य का पर्दाफाश करने में लगे हैं। इस शोध और लगातार कोशिश का निष्कर्ष यह है कि सैद्धांतिक रूप से जीन स्तर पर बदलाव करके उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है।

प्रभावी है कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी

हालांकि कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी अभी अस्थायी ही है। लेकिन निश्चित रूप से यह सौंदर्य विज्ञान का सबसे विकसित क्षेत्र है और एस्थेटिक मेडिसिन को भविष्य इंसान की खूबसूरती को स्थायी रूप देने में सक्षम माना जा रहा है। आज इसी विज्ञान के चलते-बोटोक्स, डर्मल फिलर्स, लेजर स्किन रिसर्फेसिंग तथा केमिकल पिल्स जैसी प्रक्रियाओं से लोग अपनी झुर्रियां कम कर रहे हैं। त्वचा को चिकनी, मुलायम और टाइट रख पाने में सफल हो रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि चेहरे को पसंदीदा आकृति देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि अभी यह 100 फीसदी संभव नहीं है, लेकिन हर गुजरते साल के साथ यह पहले से बेहतर होती जा रही है। इस बात का सबूत है कि बहुत जल्द इंसानी खूबसूरती का स्थायी समाधान बनकर कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी सामने आएगा।

जीन एडिटिंग में है भविष्य

साल 2012 के बाद जीन एडिटिंग तकनीक, जिसे सीआरआईएसपीआर-सीएएस-9 कहा जाता है, ने चिकित्सा जगत में क्रांति ला दी। इस तकनीक के जरिए वैज्ञानिक खराब जीन काट सकते हैं, नए जीन जोड़ सकते हैं, जीन के व्यवहार को नियंत्रित कर सकते हैं। ये सब सहूलियतें उम्मीद जता रही हैं कि भविष्य में इंसान गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, थैलेसीमिया और जेनेटिक डिसऑर्डर से पार पाने में सफल रहेगा। एजिंग के प्रभाव को धीमा किया जा सकता है, बालों के झड़ने को रोका जा सकता है, त्वचा को युवा बनाए रखने की स्थायी तरकीब ढूंढ़ी जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि सिर्फ सुंदरता बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए, जीन एडिटिंग की कवायद लगातार जारी है।

एआई और पर्सनलाइज्ड ब्यूटी

एआई आधारित सिस्टम के जरिए अब हम यह जान सकते हैं कि किसी व्यक्ति की त्वचा कितनी बूढ़ी है और वह किस रफ्तार से बूढ़ी हो रही है? वास्तव में इस सारी जानकारी को पर्सनलाइज्ड ब्यूटी प्लान के नाम से जानते हैं और इस प्लान के अस्तित्व में आने के बाद अब अलग-अलग इंसानों का स्वतंत्र रूप से खूबसूरत और स्वस्थ होना ज्यादा आसान और गारंटीड हुआ है। वैज्ञानिकों को भरोसा है कि अब खूबसूरती का स्थायी समाधान हासिल करने में बहुत देर नहीं है। *

गजल / सुधा मिश्रा 'तितिक्षा'

मौसमों की करवटें, इक आईना दिखला रही हैं,
वादियां, यादों के वो लम्हात, फिर दुहरा रही हैं।
जिन निगाहों में कभी, शर्म-ओ-ह्या की चिलमनें थीं,
हो चुकीं बेलौस, पलकें भी कहां झपका रही हैं।
शादमां है दिल, नजर की बेकरारी रंग पर है,
मस्तियां रुख्सारों पे, कुछ सिलवटें बिखरा रही हैं।
कंपकंपी में गर्म चादर, की तरह उनको लपेटे,
जो गुजारी हैं कभी, रातें वही तड़पा रही हैं।
जेठ की दोपहरियों में, जल रही वीरानियां ये,
चिलचिलाती धूप में, उनको पुकारे जा रही हैं।
भीगते सावन में फिर, झीनी फुहारें लौट आईं,
अश्क पलकों में लिए, परछाइयां टकरा रही हैं।
झूमती रिमझिम घटाएं, तिश्नगी में चूर होकर,
ये हवाएं सरसराती, मस्त हो बल खा रही हैं।
चुप मनाजिर थे मगर, फिर झील से हलचल उठी वो,
कुछ हिलोरें नाव में, तन्हाईयां भी ला रही हैं।
मुंतजिर बैठी 'सुधा', है सब्र का दामन संभाले,
जिंदगी कम पड़ न जाए, फिक्रें ये घबरा रही हैं।

स्मरण / अरविंद कुमार

सभी करते थे बाबू जी का सम्मान

हिंदी के प्रख्यात कथाकार अमरकांत जी का यह जन्मशती वर्ष है। उनकी कहानियों और उपन्यासों से तो अधिकांश साहित्यप्रेमी परिचित हैं ही, पर उनके व्यक्तित्व और स्वभाव में उपस्थित सदाशयता, विनम्रता के बारे में लोग कम ही जानते हैं। उनके सुपुत्र अरविंद कुमार ने अपने पिता से जुड़ी कुछ भावभीनी स्मृतियां **हरिभूमि** से साझा कीं। दुर्भाग्य से कुछ माह पूर्व अरविंद जी का निधन हो गया।

बाबू जी (अमरकांत जी) सपरिवार लखनऊ से जब करेलाबाग कॉलोनी (इलाहाबाद अब प्रयागराज) में आकर रहने लगे तो वहां एक अलग माहौल देखने को मिला। इस कॉलोनी में पांच सौ चार क्वार्टर्स हुआ करते थे, जिसमें हिंदू, मुसलमान, सिख और ईसाई सभी रहा करते। वहां बहुत ही सुखद सामाजिक रिश्तों का ताना-बाना, सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। हर तरफ हरियाली एवं सांस्कृतिक परिवेश का माहौल था। हमारे क्वार्टर के ठीक सामने एक बड़ा अमलतास का पेड़ था। गर्मियों में इसके फूल खिलते तो ऐसा महसूस होता था, जैसे पेड़ पीले गहनों से सजा हुआ है, एक बार नामवर सिंह जी दो-चार लोगों के साथ आए तो इस स्थान ने उन्हें अभिभूत कर दिया, वे बोले, 'अमरकांत जी हम लोग इसी मनोरम जगह पर बैठेंगे। सुबह का समय, यहां की अनुभूति कैसी होती है, महसूस किया जाए।' दरअसल, पेड़ों पर तरह-तरह के पक्षियों का आवागमन, उनका कलरव मोहक लगता। इसीलिए आने वाले लोगों को यह स्थान मनोरम लगता।

कॉलोनी के बाहर की एक सड़क (नूर उल्लाह रोड, जो स्टेशन से सीधी करेली गांव तक जाती) पर मिस्टर रफी अहमद नाम के व्यक्ति का प्रेस एवं पेपर कटिंग मशीन लगी थी। इस स्थान पर रोजाना दो खेल शतरंज एवं कैरम सायं सात बजे से रात्रि बारह बजे तक नियम से खेला जाता। रफी साहब का बाबू जी से बहुत अच्छा संबंध था। बाबू जी को भी उक्त दोनों खेल पसंद थे। शनिवार के दिन अकसर वहां उनका इंतजार रहता। बगल के मोहल्ला रसूलपुर से भी शतरंज और कैरम में रुचि रखने वाले कुछ लोग आते, जिसमें दो नाम खासतौर पर मुझे याद हैं एक बहार आलम, जो पेशे से वकील, साहित्य कला में भी दिलचस्पी रखते थे। और उनके छोटे भाई नन्हे पहलवान भी उनके साथ आया करते थे। एक रोज की बात है, मां ने मुझसे कहा, 'रात अधिक हो गई है। रफी अहमद के यहां जाकर देखो बाबू जी अभी आए क्यों नहीं?' मैं कुछ ही समय पश्चात वहां पहुंच गया। खेल में बड़ी खामोशी थी। शतरंज की अंतिम बाजी पर लोगों की निगाहें गड़ी हुई थीं। कई शोहरतमंद गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में खेल हो रहा था। उर्दू अनुवादक हुनर साहब, स्थानीय विधायक हबीब अहमद आपस में बाजी लगा बैठे थे। बाबू जी की दूसरी तरफ खिलाड़ी बहार आलम थे। पंद्रह मिनट का समय लगा, बाजी बाबू जी ने अपने पक्ष में कर ली। सभी बाबू जी को बधाई देने लगे। पर वे बहार आलम के खेल की सराहना करते जा रहे थे, 'बहुत अच्छा खेला आपने।' बाबूजी का स्वभाव ऐसा ही था, उनमें दंभ जरा भी नहीं था।

बाबूजी से जुड़ी एक और स्मृति याद आ रही है। अक्टूबर 1987 का दिन, वे गंभीर रूप से बीमार पड़े। वे मेटाबॉलिक बोन डिजीज से ग्रसित हो गए। उन्हें स्पाइनल कॉर्ड में इंफेक्शन हो गया था। प्रारंभ में कई डॉक्टरों से संपर्क किया गया, डॉक्टरों ने जॉगिंग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी। उन्हें पेनकिलर के सहारे मुक्त कर दिया गया। समस्या यह हो गई कि उन्हें कोई भी खान-पान की चीज अच्छी नहीं लग रही थी और उनके बैक बोन में असहनीय दर्द था। मेडिकल कॉलेज के हड्डी के एक्सपर्ट डॉक्टरों ने कहा, 'घबराने की बात नहीं है उम्र का तकाजा है।' जबकि ऐसी भी उम्र नहीं थी कि उस पर दोष मढ़ा जाए। बहरहाल, वे घर आ गए। मगर समस्या जस की तस बनी रही।

वे उन दिनों महिलाओं की पत्रिका 'मनोरमा' का संपादन कर रहे थे, किंतु स्वास्थ्य की वजह से असमर्थ हो गए थे। इसकी जानकारी डॉ. शांति चौधरी जी को हुई तो वे भागे-भागे घर पर आईं और पूरी जानकारी ली। उन्होंने अगले दिन इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में वीआईपी वार्ड बुक करवाया। सभी चेकअप हुए। जानकारी मिली कि बाबू जी का हीमोग्लोबिन चार प्रतिशत पर आ गया है, जोकि बहुत ही चिंताजनक था। नामी विशेषज्ञ डॉक्टर ने देखा। बाबू जी दो दिन अस्पताल में रहकर वापस घर आ गए। शांति चौधरी जी, बाबू जी को पिता तुल्य मानती थीं। हम लोगों का उनसे बहुत आत्मीय रिश्ता रहा है। वह 'मनोरमा' से विशेष कार्याधिकारी के रूप में जुड़ी थीं और इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में पीआरओ के पद पर थीं।

कुछ दिनों तक जब बाबू जी की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ तो चिंता हुई। तभी उन्हें देखने के लिए एस. के. दुबे आए जो टाइम्स ऑफ इंडिया के ब्यूरो चीफ थे। उन्होंने बताया डॉ. आर. सी. गुप्ता ऑस्ट्रेलिया से आ गए हैं, एक बार उन्हें बाबू जी को दिखाया जाएगा। उस समय रात्रि के आठ बजे हुए थे। लेकिन मुझे दूसरे दिन पर न टालकर रात्रि में ही ले जाना उचित लगा।

क्लीनिक बंद होने का समय रात्रि नौ बजे तक था। हम लोग पौने नौ बजे अस्पताल पहुंच गए। काउंटर बंद हो रहा था। डॉक्टर के असिस्टेंट डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि आप फीस जल्दी जमा कर दें, डॉ. साहब उठने वाले हैं। तभी डॉ. आर. सी. गुप्ता हम लोगों के समीप आए। उनकी पोशाक, पैर में खड़ाऊ और खद्दर का कुर्ता-पाजामा। पूछा, 'इन्हें क्या हो गया?' मैंने सभी बातें बताईं। उन्होंने असिस्टेंट डॉ. सिंह से कहा कि उस जगह का एक्स-रे करें जहां दर्द है। मैंने बताया प्रेस में जॉब करते हैं। फिर उनका सवाल था खड़े होकर काम करते हैं या बैठकर? मैंने कहा, 'बैठकर ही करते हैं।'

डॉक्टर गुप्ता ने पूछा, 'प्रेस कहां पर है?' जब मैंने प्रेस का नाम बताया, तो बोले, 'अरे यह प्रेस तो बहुत बड़ा है। यहां से तो पांच-छह मशहूर पत्रिकाएं निकलती हैं माया, मनोरमा, सत्यकथा, मनोहर कहानियां, प्रोब इंडिया। मनोरमा के संपादक तुम्हारे पिता के नाम वाले ही हैं, उनका नाम अमरकांत है, मगर वह बड़े राइटर हैं।'

मैंने जब उनसे कहा कि वे यही हैं। इस पर पहले तो डॉक्टर साहब मुझे कुछ सेकेंड एकटक देखते रहे फिर उठकर एक्स-रे रूम में गए। कुछ सेकेंड में डॉक्टर ए. के. सिंह जी बाहर आए और रसीद काउंटर रूम में गए। मेरे जमा किए गए पैसे लाकर विनम्रतापूर्वक मुझे दे दिए। बोले, 'डॉक्टर साहब ने पैसे वापस करने के लिए कहा है।' डॉक्टर आर. सी. गुप्ता पंद्रह-बीस मिनट में अपने चैंबर में वापस आ गए, बोले, 'जो मुझे शक था वही निकला।' उन्होंने अपने क्लीनिक से पूरे एक माह की दवा मुझे दी। मैं पैसे निकालने लगा, तो मना कर दिया, फिर बोले 'इनका पूरा इलाज मैं करूंगा। आपको कोई तनाव नहीं लेना है। मैं आपके साथ हूं। मुझे अमरकांत जी की सेवा करने का मौका मिला, मेरा सौभाग्य है। मैं कमिश्नर, मंत्री के घर नहीं जाता हूं, लेकिन मैं आपके घर नियमित आकर इनको देखूंगा। अस्पताल आने की जरूरत नहीं है, घर पर ही सभी इंतजाम करवा दूंगा।' उन्होंने सच में ऐसा ही किया। घर पर ही बाबू जी को ट्रैक्शन लगवाया, साथ ही कमर से लेकर छाती तक प्लास्टर भी करवाया। छह माह तक वे बाबू जी को देखने घर नियमित आते रहे, न कभी फीस लिया और दवा, इंजेक्शन के खर्च से भी मुक्त रखा। बाबू जी छह माह ट्रैक्शन, प्लास्टर और दवा पर रहे, सीधे लेटे रहते। मर्ज जरूर दूर हो गया किंतु स्पाइनल कॉर्ड डिफार्मर हो गया। बाबू जी को कष्ट तो बहुत रहा लेकिन डॉक्टर आर. सी. गुप्ता जैसे लोगों का उनके प्रति आदर और प्रेम देखकर मैं अभिभूत हो जाता था। बाबू जी इतने बड़े लेखक-संपादक थे लेकिन उनका व्यक्तित्व इतना सरल रहता कि हर कोई उनका सम्मान करता था। *

सैर-सपाटा
अंशु सिंह

भारत के उत्तरपूर्व में छोटा सा प्रदेश है- सिक्किम। इसका एक तिहाई हिस्सा बायोस्फीयर रिजर्व और यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है, जहां दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी, माउंट कंचनजंगा स्थित है। यहां की संस्कृति मिली-जुली है। खाना अनोखा है, नजारे शानदार, सड़कें साफ-सुथरी और माहौल बहुत शांत है। कुछ समय पूर्व ही सिक्किम की यात्रा से लौटी लेखिका इसकी खूबसूरती बयां कर रही है अपनी जुबानी।

जन्नत से कम नहीं सिक्किम

हालांकि देश के अलग-अलग हिस्से में यात्राएं तो मैंने कई की हैं। लेकिन अब तक देश के उत्तरी पूर्वी राज्यों में से कहीं जाना नहीं हुआ था। इसलिए जिस दिन सिक्किम यात्रा का प्लान फाइनल हुआ, उस दिन से मन में एक अलग-सा उल्लास भर गया था। दिल्ली से सिक्किम जाने के दो विकल्प थे- ट्रेन या हवाई जहाज। हमारे समूह ने ट्रेन से जाने का निर्णय लिया। दिल्ली से पहले पश्चिम बंगाल के नई जलपाईगुड़ी और फिर वहां से प्राइवेट कैब लेकर गंगटोक। यह यात्रा काफी दिलचस्प रही। पहाड़, जंगल, संग-संग बहती तीस्ता नदी और छोटे-छोटे गांव, कस्बों को पार करते हुए आखिरकार हम गंगटोक पहुंचे।

गंगटोक ने मोह लिया मन

हिमालय की गोद में बसा गंगटोक एक ऐसा स्थान है, जहां बादल पहाड़ों के साथ अठखेलियां करते हैं, तो नदियां अपनी ही धुन में गीत गाती बहती हैं। यह नजारा किसी जन्नत से कम नहीं लगता। जैसे ही सूरज की किरणें बर्फ से ढंकी चोटियों को चूमती हैं, नीचे हरी-भरी घाटियों पर सुनहरी आभा बिखर जाती है। अपने रंग-बिरंगे बौद्ध मठों, बाजारों और मोहक नजारों से सजा गंगटोक बेमिसाल है। सिक्किम की यह राजधानी दुनिया के कुछ सबसे शानदार बौद्ध मठों का घर है, जिसमें सबसे मशहूर मठ है रुमटेक मठ। गंगटोक से करीब 21 किमी दूर स्थित इस मठ के शांत माहौल में आप रम जाएंगे। इसके अलावा, बीच शहर में स्थित गोनजैंग मठ भी कम मनमोहक नहीं है। शहर के अन्य आकर्षणों में बानझाकरी वॉटरफॉल, ताशी व्यू प्वाइंट, गणेश टोक, हनुमान टोक, गैंगटोक रोप-वे राइड, हिमालयन जूलॉजिकल पार्क और ऑर्किडेरियम मुख्य हैं।

टेमी टी गार्डन से कंचनगंजा के दीदार

गंगटोक पहुंचने के दूसरे दिन, सुबह नाश्ता करके हम सभी पश्चिम सिक्किम के पेल्लिंग के लिए रवाना हुए, जो करीब 130 किमी. दूर था। हमारा पहला पड़ाव टेमी चाय बागान था। यह सिक्किम का एकमात्र टी गार्डन है, जहां ऑर्गेनिक चाय की पैदावार होती है। घुमावदार रास्तों से जब हमने इस गार्डन में प्रवेश किया, तो वहां की खूबसूरत छटा देखते ही रह गए। मौसम साफ था, तो वहां से कंचनजंगा चोटी के दीदार भी हुए। कुछ समय बिताने के पश्चात हम आगे बढ़े। शाम करीब 4.15 बजे हम पेल्लिंग स्थित अपने होम स्टे पर पहुंच गए। वहां सभी का स्थानीय रीति-रिवाज के अनुसार, स्वागत हुआ। लेकिन तब तक मौसम का रंग बदल चुका था। रिमझिम शुरू हो गई। अगली सुबह भी बारिश थमी नहीं। लेकिन नौ बजते-बजते आसमान साफ होने लगा। हम निकल पड़े पेल्लिंग की ओर।

पश्चिमी सिक्किम का नगीना-पेल्लिंग

पेल्लिंग एक शांत कस्बा है, जो करीब 7,050 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग सरीखा है। हरी-भरी घाटियों, झर-झर गिरते झरनों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ यह इलाका सिक्किम के मूल स्वरूप को बेहद खूबसूरती से समेटे हुए है। यहां अकसर कोहरा और बादल छाए रहते हैं, जो इसकी अलौकिक सुंदरता को और भी बढ़ा देते हैं। यहां ट्रैकिंग, माउंटेन बाइकिंग, बर्ड वॉचिंग करने के अलावा, प्राचीन मठ, गोंपा और स्तूपों से लेकर यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान एवं पवित्र खेचेओपालरी झील की सैर कर सकते हैं। हमने कुछ चुनिंदा स्थानों पर जाना तय किया।

पेमायंगत्से मठः 17वीं सदी में स्थापित, सिक्किम के सबसे पुराने मठों में से एक पेमायंगत्से मठ में दुर्लभ कलाकृतियां देखने को मिलेंगे।

खेचेओपालरी झीलः बौद्ध और हिंदू धर्म में पूज्यनीय माने जाने वाले पवित्र खेचेओपालरी झील में एक अलग ही अनुभव होता है। मान्यता है कि मनोकामना पूर्ति करने वाली इस झील के शांत जल को गुरु पद्मसिन और देवी तारा का आशीर्वाद प्राप्त है।

सिडकियोंग बर्ड पार्कः पक्षी प्रेमियों के लिए पेल्लिंग और रबदंत्से के बीच एक खास आकर्षण का स्थल है- सिडकियोंग बर्ड पार्क, जो हिमालयी क्षेत्र में पाए जाने वाले देशी-विदेशी पक्षियों का घर है।

रिवर ऑरेंज गार्डनः रिंबी नदी के किनारे स्थित इस गार्डन में संतरे के बेशुमार पेड़ लगे हैं। ऑरेंज गार्डन के अंदर एक विलेज होमस्टे, कुछ दुकानें और रेस्टोरेंट भी हैं।

ग्लास स्काईवॉकः ग्लास स्काईवॉक पेल्लिंग के बेहद शानदार अनुभवों में से एक है। देश के इस पहले 'ग्लास स्काईवॉक' के अनुभव को भुलाया नहीं जा सकता, जो समुद्रतल से लगभग 7200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। जब आप इसके पारदर्शी शीशे के फर्श पर कदम रखते हैं, तो हवा में चलने जैसा एहसास होता है। नीचे घाटी को देखते हुए रोमांचक अनुभव होने के साथ-साथ थोड़ी घबराहट भी होती है। लेकिन आस-पास के हरे-भरे नजारे और पूर्वी हिमालय के शानदार दृश्य मन को सुकून देते हैं। स्काईवॉक के समीप ही चार भुजाओं वाले चेनरेजिंग (अवलोकितेश्वर) की 137 फीट ऊंची मूर्ति भी स्थित है।

नामची में चार धाम के दिव्य दर्शन

पेल्लिंग में दो दिन बिताने के उपरांत हमारा अगला डेस्टिनेशन था, सिक्किम के दक्षिण में स्थित नामची। इसे राज्य का सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्र कहते हैं। यहां हमने 'चार धाम' मंदिर के दर्शन किए। असल में यहां भारत के चार पवित्र मंदिरों- बद्रीनाथ, जगन्नाथ, द्वारका और रामेश्वरम की प्रतिकृतियां बनाई गई हैं। मंदिर परिसर में भगवान शिव की 108 फुट ऊंची प्रतिमा मुख्य आकर्षण का केंद्र है। समीप में एक भव्य साईं मंदिर भी है।

रावंगला का अलौकिक बुद्ध पार्क

नामची से जब हम रावंगला की ओर बढ़े, तो वहां हमें एक भव्य बुद्ध पार्क के दर्शन हुए, जिसे 'तथागत त्सल' के नाम से भी जाना जाता है। यहां शाक्यमुनि बुद्ध की 130 फुट ऊंची, अत्यंत सुंदर प्रतिमा स्थित है।

मनमोहक त्सोंगो झील

गंगटोक से लगभग 40 किलोमीटर दूर (गंगटोक-नाथुला हाइवे), 12,313 फीट की ऊंचाई पर स्थित त्सोंगो झील एक हिमनद झील है, जो अपने शानदार प्राकृतिक नजारों और गहरे सांस्कृतिक महत्व के लिए जानी जाती है। इसकी सतह का रंग मौसम के अनुसार, बदलता रहता है। जैसे ही हम इसके करीब पहुंचे, वहां का नजारा कल्पना से भी परे था। चारों ओर बर्फ से ढंकी चोटियों और हरे-भरे घास के मैदान। यह किसी परी कथा से सीधे निकला हुआ दृश्य लग रहा था। हमने यहां न सिर्फ बर्फ में मस्ती, याक की सवारी की, बल्कि दुनिया के सबसे ऊंचे रोप-वे की रोमांचक यात्रा भी की।

लाचुंग की यादगार यात्रा

हमारा अगला पड़ाव अब सिक्किम का उत्तरी भाग था, जो क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा और अधिक रिमोट क्षेत्र है। गंगटोक से लाचुंग की दूरी करीब 102 किमी. है। सबसे पहले हमें मिला, सेवन सिस्टर्स वॉटरफॉल्स। इस झरने में सात सीढ़ियां या चरण हैं, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। यहां कुछ देर ठहरने के पश्चात हम आगे बढ़े, तो अगला पड़ाव लाचुंग में प्रवेश के ठीक पहले चेक प्वाइंट था। लाचुंग में हमने रात में होटल में विश्राम किया और अगले दिन सुबह-सुबह युमथांग घाटी और जीरो प्वाइंट के लिए निकले।

परीलोक जैसा युमथांग घाटी

11,800 फीट से ज्यादा की ऊंचाई पर बसा युमथांग घाटी किसी परीलोक जैसा लगा। अल्पाइन घास के सुंदर मैदान, चारों ओर बर्फ से ढंकी चोटियां, गर्म पानी के झरने और साथ में बहती लाचुंग नदी। इसे फूलों की घाटी भी कहते हैं। यहां खासकर रोडोडेंड्रोन के फूल खिलते हैं, जो वैली को गुलाबी, लाल और बैंगनी रंगों से रंग देते हैं।

धरती का वंडरलैंड जीरो प्वाइंट

युमथांग घाटी के सर्पीले रास्तों से गुजरते हुए हमारा साक्षात्कार धरती पर एक अलग ही दुनिया से होता है, जिसे 'जीरो प्वाइंट' (या युमेसमडोंग) कहते हैं। उत्तरी सिक्किम में 15,300 फीट की ऊंचाई पर भारत-चीन सीमा के पास स्थित यह एक सफेद वंडरलैंड है। यहां ऑक्सीजन की मात्रा कम होती है, तो आपको नीचे से ही पोर्टेबल ऑक्सीजन कैन लेकर आना होता है। जीरो प्वाइंट पर सिर्फ भारतीय सैलानी ही आ सकते हैं। उन्हें सिक्किम टूरिज्म डिपार्टमेंट से प्रोटेक्टेड एरिया परमिट की जरूरत पड़ती है, जो रजिस्टर्ड टूर ऑपरेटर के जरिए एडवांस में लेना होता है। *

कब जाएं : सिक्किम जाने का बेस्ट टाइम है मार्च से मई का महीना। इसके अलावा अक्टूबर से दिसंबर के मध्य तक यहां जा सकते हैं। यूं कहें कि मानसून से पहले यहां कभी भी जा सकते हैं।

कैसे जाएं : आमतौर पर सैलानी पश्चिम बंगाल के बागडोगरा तक हवाई यात्रा करते हैं और वहां से कैब के जरिए गंगटोक जाते हैं। आगे की यात्रा भी सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त टूर ऑपरेटर के कैब या टैक्सी से करते हैं। बागडोगरा के अलावा, गंगटोक से 35 किमी दूर स्पेशल पाकयोंग एयरपोर्ट भी है। ट्रेन से आप सिलिगुड़ी या न्यू जलपाईगुड़ी तक पहुंच सकते हैं और वहां से कैब से गंगटोक जा सकते हैं।

परफ्यूम-डिओड्रेंट से मिले फ्रेश फील

सीजनल ट्रेंड / विवेक कुमार

गर्मी के मौसम में युवाओं की लाइफस्टाइल में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। उनके ड्रेस कलर हल्के हो जाते हैं। फुटवियर कंफर्टेबल और पसीना सोखने वाले पहनने लगते हैं। स्किन केयर प्रोडक्ट्स की संख्या बढ़ जाती है और इन सब चीजों के साथ ही शामिल हो जाता है डिओड्रेंट और परफ्यूम।

बढ़ा है ट्रेंडः एक जमाना था, जब केवल खास मौकों पर ही परफ्यूम, डिओड्रेंट आदि का इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन आज के युवाओं की डेली लाइफस्टाइल के लिए ये जरूरी चीजें बन गई हैं, क्योंकि अब खुशबू केवल सौंदर्य का विषय नहीं बल्कि आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का भी हिस्सा है। इसलिए कॉलेज से लेकर सोशल गेदरिंग और दफ्तर तक में परफ्यूम, डिओड्रेंट का चलन बहुत बढ़ गया है।

गर्मियों में इसलिए भी है जरूरीः गर्मियों में शरीर से पसीना बहुत निकलता है। इस कारण शरीर में बैक्टीरिया तेजी से सक्रिय होते हैं और शरीर से दुर्गंध आने लगती है। यंगस्टर्स सबसे ज्यादा भागदौड़ करते हैं और बहुत सारे लोगों से मिलते-जुलते हैं। ऐसे में शरीर से अच्छी खुशबू आना और फ्रेश फील करना, जरूरी हो जाता है। यही वजह है कि गर्मी के मौसम में डिओड्रेंट और परफ्यूम युवाओं के लिए सबसे जरूरी एसेसरीज बन जाती हैं।

बदल रही है च्वॉइसः फ्रेगरेंस की बात करें तो पहले के जमाने में लोग सिट्रस, एक्वा, मिंट, फ्लोरल नोट्स वाले परफ्यूम इस्तेमाल किया करते थे। जबकि लड़कियां बॉडी मिस्ट और हल्के फ्रूटी परफ्यूम पसंद करती थीं। लेकिन आजकल स्पोर्टी और मस्क फ्रेगरेंस का चलन बढ़ा है।

बढ़ी है डिमांड-सप्लाईः कुछ दशक पहले के युवाओं के मुकाबले आज के युवाओं की अर्निंग और परचेजिंग पावर बढ़ी है। जो टीनएजर अपने मम्मी-पापा पर पॉकेटमनी के लिए डिपेंड हैं, उनकी पॉकेटमनी भी पहले से काफी ज्यादा बढ़ गई है। इस कारण भी बाजार में परफ्यूम और डिओड्रेंट जैसी एसेसरीज की भरमार हो गई है। अब केवल बड़े ब्रांड ही नहीं बल्कि कई भारतीय स्टार्टअप भी युवाओं को ध्यान में रखकर नए-नए प्रोडक्ट्स लांच कर रहे हैं। मसलन, पॉकेट परफ्यूम, मिनी रोल-ऑन, एल्कोहल फ्री डिओड्रेंट आदि तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। *

रोचक
शिखर चंद जैन

इन दिनों फ्रूट मार्केट में तरह-तरह के आम खूब मिल रहे हैं। इनका स्वाद तो लाजवाब होता ही है, इनसे जुड़े अतीत के कुछ किस्से भी बड़े दिलचस्प हैं।

आम से जुड़े ये किस्से हैं बेहद खास

भारत में आम केवल एक फल नहीं, बल्कि संस्कृति, साहित्य इतिहास और राजनीति का एक अहम हिस्सा रहा है। सम्राटों से लेकर राजनेताओं और साहित्यकारों तक, आम की मिठास ने कई किस्सों को जन्म दिया है। हिंदी साहित्य में 'आम' न केवल फलों का राजा होने के कारण प्रसिद्ध है, बल्कि यह वसंत ऋतु, प्रेम, मादकता और कामदेव के प्रतीकों के रूप में भी बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्राचीन संस्कृत साहित्य से लेकर आधुनिक हिंदी कविता और निबंधों तक, आम का बौर, उसकी खुशबू और मिठास कवियों और लेखकों की कल्पना का अभिन्न हिस्सा रही है। आम से जुड़े कुछ रोचक किस्से हैं, जो आज भी रस ले-लेकर सुने-सुनाए जाते हैं।

आम्रपाली और आम्रपाली आम का रिश्ताः बिहार की प्रसिद्ध नृत्यांगना और वैशाली की गणिका आम्रपाली, आम के पेड़ के नीचे शिशु रूप में मिली थी, इसलिए उसका नाम 'आम्रपाली' (आम के पत्ते) रखा गया। आम की एक लोकप्रिय किस्म 'आम्रपाली' का नामकरण उसी के नाम पर किया गया है।

बुद्ध और आम का उपवनः कहा जाता है कि आम्रपाली ने भगवान बुद्ध को अपने आम के बाग (आम्रवन) में आमंत्रित किया था और उन्हें वह बाग दान कर दिया था। आम्रपाली बाद में महात्मा बुद्ध की शिष्या बन गईं।

अमीर खुसरो का आम पर शेरः 13वीं सदी के महान कवि अमीर खुसरो ने फारसी में आम की प्रशंसा में कविताएं लिखी थीं। खुसरो ने आम को 'नगजा तरीन मेवाह हिंद' (भारत का सबसे खूबसूरत फल) कहा था।

अलाउद्दीन खिलजी की शाही दावत में आमः दिल्ली के सुल्तान रहे अलाउद्दीन खिलजी आम के दीवाने थे। कहा जाता है कि उन्होंने दिल्ली के 'कुश-ए-फिरोजी' में आम की कई किस्मों की एक शानदार दावत दी थी, जिसमें उन्होंने आम के साथ संगीत का शानदार कार्यक्रम आयोजित करवाया था।

आम का दीवाना बाबरः मुगल वंश के संस्थापक बाबर को आम इतना पसंद था कि उसने अपनी आत्मकथा 'तुजुक-ए-बाबरी' में आम का जिक्र किया है। कहा जाता है कि वह भारत में आम का स्वाद चखकर चकित रह गया था, क्योंकि यह फल मध्य एशिया के देशों में नहीं मिलता था।

अकबर का आम प्रेम और लाख बागः मुगल बादशाह अकबर आम का इतना शौकीन था कि उसने बिहार के दरभंगा में 1 लाख से अधिक आम के पेड़ों का बाग लगवाया था, जिसे 'लाखी बाग' कहा जाता था। उसने आम की कई उन्नत किस्मों को भी विकसित करने में सहायता दी थी।

मिर्जा गालिब की आम-दीवानगीः मशहूर शायर मिर्जा गालिब आम के बड़े दीवाने थे। वे कहते थे कि 'आम में बस दो ही खूबियां होनी चाहिए-वे मीठे हों और बहुत सारे हों।' एक किस्से के अनुसार, जब उनके दोस्त ने आम को नापसंद किया, तो गालिब ने नाराज होकर कहा था, 'गधे भी आम नहीं खाते।' *

भारत में हुई आम की उत्पत्तिः माना जाता है कि आम की उत्पत्ति दक्षिण-पूर्व एशिया और भारत में हुई, जहां 4000 वर्ष ईसा पूर्व हिंदू ग्रंथों में इस फल का उल्लेख मिलता है। बौद्ध भिक्षु भी इस फल की खेती करते थे। प्राचीन काल में बौद्ध भिक्षुओं और बाद में व्यापारियों तथा विदेशी यात्रियों के माध्यम से आम दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका और अंततः दक्षिण अमेरिका तक पहुंचा।

सिने ट्रेंड
डी. जे. नंदन

फिल्मों में कितना इफेक्टिव है स्पीड-एडवेंचर का जादू

आज की दौड़ती-भागती जिंदगी जी रहे लोग, खासकर यंगस्टर्स, मनोरंजन के लिए देखी जाने वाली फिल्मों में भी 'स्पीड' यानी तेजी से भागती कहानी पसंद करते हैं। हालांकि कई फिल्में इसकी अपवाद भी रही हैं। फिल्मों में स्पीड और एडवेंचर के सक्सेस से रिलेशन पर एक नजर।

आज का दर्शक ठहराव नहीं, स्पीड चाहता है।' यह धारणा इन दिनों फिल्म जगत में किसी सूत्रवाक्य की तरह हर तरफ गूंज रही है। कहा जा रहा है कि मोबाइल स्क्रीन, रील कल्चर और लगातार बदलती डिजिटल दुनिया ने युवाओं को इतना धैर्यहीन बना दिया है कि अब वह उन्हीं फिल्मों को देख सकते हैं या देखते हैं, जो शुरुआती 10 मिनटों में ही दर्शकों को खुद से जोड़ ले। हर कुछ देर में चौकाएं और कहानी में बिना कोई ठहराव आए, वह लगातार आगे बढ़ती रहे। इसके लिए फिल्मों में तेज एडिटिंग, छोटे दृश्य, लगातार ट्विस्ट और ऊंची भावनात्मक उत्तेजना का चलन बढ़ा है। कुल मिलाकर यह 'हाई इंगेजिंग' ड्रामा का दौर है।

दर्शकों को चाहिए अटैचमेंट हुकः इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज का युवा दर्शक शुरू से ही फिल्मों में 'अटैचमेंट हुक' चाहता है। उसमें यह आदत हाल के सालों में विकसित हुई रील कल्चर और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म ने ही लगाई है, क्योंकि आज के युवा आमतौर पर दिन के तीन से चार घंटे, छोटे वीडियो और तेज रफ्तार सूचनाओं के घेरे में रहते हैं। लगातार बदलती विजुअल एक्साइटमेंट के बीच रहने के कारण उनके स्वभाव में तेजी को लेकर पसंदगी बढ़ी है। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में भी कुछ इस तरह से हाइप बन गई है कि अगर कहानी देर तक एक ही वातावरण में टिकी रही तो दर्शकों, विशेषकर युवाओं का ध्यान उचट जाएगा और वो फिल्म को नकारा देंगे।

इन फिल्मों ने सेट किया नया ट्रेंडः अब बॉलीवुड ट्रेंड के जानकारों और फिल्म मेकर्स के लिए सफलता का अलिखित सिद्धांत बन चुका है कि युवा दर्शकों को फिल्मों में शुरू से ही बांधकर रखो। किसी बड़े हादसे के जरिए, किसी उलझाऊ रहस्य के जरिए या अंधाधुंध हिंसा अथवा विस्फोट के जरिए। बहरहाल, यह राय बनाने या यूं कहें कि यह ट्रेंड सेट करने में हाल के वर्षों में आई 'जवान' और 'एनिमल' जैसी फिल्मों की बड़ी भूमिका है। क्योंकि इन फिल्मों में तेज रफ्तारी का सिद्धांत ही सबसे ज्यादा मजबूती से खड़ा दिखाई देता है। इन फिल्मों की सफलता और फिर हाल में आई 'धुरंधर-1', 'धुरंधर-2', की सफलता ने ही तेज रफ्तार वाली फिल्मों के लिए माहौल बनाया है। ट्विस्ट और टर्न्स से भरी इन इन सभी फिल्मों में बड़ी तेजी से थोड़ी-थोड़ी देर में दृश्य बदलते हैं।

इमोशनल इंगेजिंग फिल्में भी हुईं सफलः फिल्मों की स्पीड को लेकर सवाल यह भी उठता है कि क्या सचमुच आज का युवा दर्शक सिर्फ तेज रफ्तार फिल्मों का दीवाना है? अगर ऐसा ही होता तो भला '12वीं फेल' और 'लापता लेडीज' जैसी धीमी रफ्तार वाली फिल्मों को युवाओं ने इतना क्यों पसंद किया? दरअसल, बहस सिर्फ स्पीड की नहीं इंगेजमेंट की है। आज का युवा दर्शक वाकई कहानी में अनावश्यक खिंचाव नहीं चाहता, लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं है कि वह भावनात्मक गहराई को समझता नहीं या उसे पसंद नहीं करता। जब भी ऐसी फिल्में आती हैं, जिनमें भावनात्मक गहराई मौजूद होती है, तो फिर वह उन्हें निश्चित रूप से पसंद करता है। '12वीं फेल' और 'लापता लेडीज' जैसी फिल्मों का कथानक भी महानगरों से दूर ग्रामीण परिवेश का था, फिर भी ये दोनों फिल्में खासकर युवा दर्शकों द्वारा खूब पसंद की गईं, तो इसका मतलब यह है कि युवा दर्शक सिर्फ तेज स्पीड और हाई इंगेजिंग फिल्मों को ही पसंद नहीं करते बल्कि उन सभी फिल्मों को पसंद करता है, जो उनकी भावनाओं को स्पर्श करती हैं। आज के युवा दर्शक अच्छी कहानी पसंद करते हैं, चाहे वह तेज हो या फिर चाहे धीमी ही क्यों न हो।

पुरानी फिल्मों में नहीं था स्पीड का प्रेशरः पुराने जमाने की फिल्मों के पात्र आपस में देर तक बातचीत करते थे। खामोशी होती थी, तो वह भी कई बार इतनी लंबी होती थी कि दर्शक खुद खामोशी महसूस करने लगता था। इस तरह अगर इस स्पीड के पैमाने पर पुरानी फिल्मों को कसें तो कोई फिल्म ही नहीं हिट होनी चाहिए थी। लेकिन हम जानते हैं कि फिल्मों की सफलता की दर आज के मुकाबले पहले कहीं ज्यादा थी। यह अलग बात है कि आज के मुकाबले फिल्मों की कमाई बहुत कम थी। वास्तव में पेस (स्पीड) इन दिनों सच्चाई से कहीं ज्यादा एक फैशन की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि सच यह है कि आज के दर्शक भी गहरे और इंटेंस कम रफ्तार के दृश्य भी खूब पसंद करते हैं।

स्पीड के अलावा भी हैं कई फैक्टर्सः आज का युवा दर्शक सिर्फ धीमेपन से बोर नहीं होता बल्कि बेसिर पैर के फिल्म के खिंचाव, बिना किसी वजह फिल्म को वल्गर बनाने की कोशिश और जबर्दस्ती फिल्मों में ठूंस दिए गए आइटम सॉन्ग जैसे एक्सपेरिमेंट्स से चिढ़ता है। उसे ऐसी फिल्में वाकई ज्यादा पसंद नहीं आतीं, जिनमें जानबूझकर लॉजिक की ऐसी-तैसी की गई हो। आज का दर्शक फिल्म के हर फ्रेम में चाहे वह जिस तरह की भावना का हो, इसमें हाई इंटेंसिटी की तलाश करता है। कुल मिलाकर कहने का मतलब यह है कि सवाल रफ्तार का नहीं, निरंतरता का है। अगर फिल्में दर्शक को लगातार मानसिक और भावनात्मक तरीके से जोड़े रखती हैं, तो वह धीमी होकर भी प्रभावशाली हो सकती हैं, यह कोई ब्रह्म वाक्य नहीं है कि आज का दर्शक स्पीड और हाई इंगेजिंग ट्विस्ट वाली फिल्में ही देखना चाहते हैं। वे केवल एंटरटेनमेंट चाहते हैं। *